04 - नोटा को निर्णायक बनाएं

05 - पर्यावरण में मददगार न्यायपालिका की अनूठी पहल

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 21 मई, 2024

06- राजस्व वसूली की कार्रवाई में तेजी लाएं : कलेक्टर सूर्यवंशी

07- लोक मंगलार्थ एवं धर्म के रक्षार्थ अवतरित हुए नरसिंह भगवान

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 21 अंक 253 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सुप्रीम कोर्टः दो मामलों में केंद्र को जोर का झटका धीरे से

योगेंद्र योगी

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधीनस्थ अदालतों को रेफरी की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं हैं। विपक्षी दलों का आरोप है केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हो और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है।

पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में ये बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। साथ ही किसी भी इंसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के ऐसे लिखित आधारों की एक कॉपी गिरफ्तार किए गए शख्स को बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। कोर्ट की इस टिप्पणी से ये साफ हो गया कि गिरफ्तार शख्स को हर हाल में जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिखित आधारों की एक कॉपी मिलनी चाहिए, ताकि उसे अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी हो। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई झिझक नहीं है कि लिखित रूप में गिरफ्तारी के लिए रिमांड कॉपी नहीं दी गई, जिसके चलते गिरफ्तारी अवैध है। कोर्ट ने मौलिक अधिकार पर अतिक्रमण करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार, संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 द्वारा ऐसे मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटना होगा। कोर्ट की इस टिप्पणी से भी साफ हो रहा है कि अगर ऐसा होता है तो उसे इंसान के मौलिक अधिकार का हनन माना जाएगा। फैसला लिखते हुए, न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी, उसके बाद पिछले साल 4 अक्टूबर का रिमांड आदेश और दिल्ली उच्च न्यायालय का 15 अक्टूबर का रिमांड को वैध करने का आदेश, कानून के विपरीत था और इसलिए इसे रद्द कर दिया गया। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित रूप में सूचित किया जाना मौलिक और वैधानिक अधिकार है। किसी को भी ऐसे ही नहीं उठा सकते।

सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों आदेशों से स्पष्ट है कि पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां आंख बंद करके कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगी। न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकती। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है।

8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग खत्म

- लाइन में लग ऐश्वर्या राय ने डाला वोट, तो जया का हाथ थामे दिखे अमिताभ बच्चन
- शाहरुख-आमिर ने मतदान किया, रणवीर संग बूथ पहुंचीं 5 महीने की प्रेग्नेंट दीपिका; 88 साल के धर्मेंद्र ने भी किया मतदान

5 बजे तक 56.68 प्रतिशत मतदान

नईदिल्ली/मुंबई/लखनऊ/श्रीनगर/कोलकाता (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान खत्म हो गया है। शाम 5 बजे तक 56.68 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 73 प्रतिशत और सबसे कम महाराष्ट्र में 48.66 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा ओडिशा विधानसभा के सेकेंड फेज की 35 सीटों पर 48.95 प्रतिशत, झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट पर 53.82 प्रतिशत और लखनऊ ईस्ट सीट पर 42.53 प्रतिशत वोटिंग हुई है। उत्तर प्रदेश के महोबा में ड्यूटी के दौरान एक जवान की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर और हुगली में भाजपा कैंडिडेट्स और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई है। मुंबई में मतदान केंद्र के पास डमी ईवीएम रखने के आरोप में पुलिस ने शिवसेना (यूबीटी) के तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। मुंबई में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, गुलजार, सुभाष घई, अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, अनिल कपूर, मनोज वाजपेयी के अलावा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और अनिल अंबानी ने वोटिंग की।

बरेली में फ्लाईओवर से बस गिरी

1 की मौत, 40 घायल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में सोमवार तड़के एक बस फ्लाईओवर से गिर गई। जिससे एक यात्री की मौत हो गई और 40 घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 3:30 बजे फतेहगंज थाना क्षेत्र में हुआ। बस दिल्ली से आ रही थी। जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार के मुताबिक मृतक की पहचान मेरठ के प्रेम किशन (40) के रूप में हुई है। घायलों को बरेली के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इनमें से चार की हालत गंभीर है।

लद्दाख में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4 रही

लद्दाख (एजेंसी)। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक सोमवार सुबह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस ने कहा कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

पीएम मोदी बोले-

10 जून को भाजपा का मुख्यमंत्री शपथ लेगा

- ओडिशा सीएम हाउस पर भ्रष्टाचारियों का कब्जा, बीजेडी के छोटे-छोटे नेता भी करोड़पति

कटक (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के ढेंकनाल और कटक में जनसभाएं कीं। पीएम ने कटक में कहा- ओडिशा में 10 जून को बीजेपी का पहला सीएम शपथ लेगा, ये तय है। तीसरी बार मोदी की सरकार दिल्ली में शपथ लेगी। ये भी तय है।

इससे पहले ढेंकनाल की जनसभा में उन्होंने कहा- ओडिशा की बीजेडी सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। मुट्ठीभर भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय पर कब्जा करके बैठ गए हैं। बीजेडी के छोटे-छोटे नेता भी करोड़ों के मालिक बन गए हैं।

दोनों जनसभाओं से पहले पीएम मोदी पुरी पहुंचे थे। उन्होंने जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने के बाद रोड शो किया। इस दौरान पुरी से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा भी उनके साथ थे। ओडिशा के ढेंकनाल, पुरी और कटक में 25 मई को लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है।

भाजपा की नीतियों पर

मोदी सरकार ने आदिवासी परिवारों के लिए वनधन योजना बनाई, इसके माध्यम से वन उत्पादों की खरीद एमएसपी पर होती है। देशभर में 3,500 से अधिक वनधन केंद्र हैं। यहां ओडिशा में भी पौने 200 वनधन केंद्र खुले हैं, इनमें 80 से अधिक वन उत्पादों की खरीद एमएसपी पर होती है। लेकिन, बीजेडी सरकार आपको वन उपज पर सही एमएसपी तक नहीं देती। पीएम मोदी ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने इसे लेकर उड़िया भाषा में एक्स पर पोस्ट किया।

सुप्रभात

तुम अपने होने
की,स्मृतियों से
जोड़ गई हो
तुम तो गई
देह गंध यहां
छोड़ गई हो
इन आँखों को
पढ़ता देखकर
मन की किताब का
पन्ना मोड़ गई हो
लचकती शाख पर
खिलते फूल की
सुवासित एक
पंखुरी तोड़ गई हो
तुम तो गई
पुष्प गंध यहां
छोड़ गई हो।

- अरुण सातले

बिहार के बेगूसराय में गंगा नदी में डूबने से पांच युवकों की मौत

मुंडन संस्कार में शामिल होने आए थे

पटना (एजेंसी)। बिहार के बेगूसराय के सिमरिया गंगा घाट पर मुंडन संस्कार के बाद नहाने के दौरान 5 युवकों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय मछुआरों ने पांचों युवकों के शव नदी से निकाले। बरौनी निवासी राजू साह के बेटे का आज सिमरिया में मुंडन संस्कार था। इसी मुंडन में शामिल होने के लिए उसके परिवार के लोग सिमरिया गए थे। मुंडन के बाद गंगा स्नान करने के दौरान पांच युवक स्नान करते-करते काफी गहरे पानी में चले गए, जिससे पांचों की डूबने से मौत हो गई।

- पुलिस की माओवादियों से मुठभेड़

नुआपाड़ा (एजेंसी)। नुआपाड़ा जिले में सोमवार को माओवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान ओडिशा पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया। एडीजी (ऑपरेशंस) देव दत्त सिंह ने कहा कि घटना सुबह करीब 3 बजे की है। स्ह्लत्र जवानों की ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर शिवनारायणपुर (कोमना पुलिस स्टेशन) के पास सुनाबेड़ा जंगल में माओवादियों से मुठभेड़ हुई।

राहुल गांधी सभाओं में गलत संविधान दिखा रहे : सीएम

दिल्ली में कहा-अखिलेश, राहुल की जोड़ी बेमेल, इनमें कोई तालमेल नहीं

भोपाल। एमपी के सीएम डॉ मोहन यादव ने दिल्ली में बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा - अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी, बेमेल जोड़ी है, इसका कोई तालमेल नहीं है। राहुल गांधी सभाओं में जो संविधान दिखा रहे हैं वो संविधान गलत है। मूल संविधान ब्लू बुक में बड़ी किताब के रूप में है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी को लेकर कहा कि ये सब बेमेल जोड़ी है, इसका कोई तालमेल नहीं है। मुलायम सिंह ने कांग्रेस से नफरत की थी और उन्होंने मोदी जी को शुभकामना दी थी। अभी ये अवसर परस्ती की दोस्ती कितनी चलेगी, आप भी देखोगे, हम भी देखेंगे।

राहुल जो संविधान दिखा रहे वो ही गलत- सीएम ने राहुल गांधी द्वारा सभाओं में संविधान दिखाने को लेकर कहा कि वो जो संविधान दिखा रहे हैं वो संविधान ही गलत है। मूल संविधान, बाबा साहब का संविधान ब्लू बुक में है। बड़ी किताब है, जिसमें भगवान राम की फोटो भी लगी है। उस संविधान के बजाय दूसरी कोई किताब दिखाकर मूल संविधान और बाबा साहब की आत्मा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वो पहले संविधान को समझ लें... उनकी दादी

ने संविधान को अलग करके देश में आपातकाल लगाया था। बाबा साहब अंबेडकर ने 1950 में जो मूल संविधान लागू किया था, उसमें कांग्रेस की 5 पीढ़ियों ने सौ बार से ज्यादा संविधान संशोधन कर दिये। जिन्होंने खुद पाप किए वो दूसरे से कहाँ सर्टिफिकेट लेंगे?

केजरीवाल बहन-बेटियों को पिटवाते हैं और पीए को बचाने का नाटक करते हैं... मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि जो जमानत पर आए हैं, उनको क्या गिरफ्तार करोगे.. उनको मालूम है कि उन्हें 2 दिन के बाद कहाँ जाना है ? कौन डर गया है ? जमानत पर कौन आया है ? जमानत निरस्त कराएं, अभी अंदर चले जाएंगे।

केजरीवाल माफी मांगे

सीएम डॉ यादव ने कहा कि बहन के अपमान की स्थिति के लिए केजरीवाल माफ़ी नहीं मांगते... एक बार भी नहीं बोलते कि स्वाति मालीवाल के साथ ये घटना नहीं होनी चाहिए। अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री हो, इस ढंग की व्यवहार आप करोगे तो कौन बर्दाश्त करेगा? वो ये नहीं कह रहे है कि स्वाति मालीवाल के साथ क्या-क्या हुआ, इसके लिए वो माफी मांगे... जनता सब जानती है। ये सब घटनाओं के लिए केवल अपने पाप को छिपाने के लिए जनता बहुत अच्छे से आप पार्टी को जान गई है। जो झूठों के पहाड़ पर खड़ी है।

डॉ यादव ने कहा कि जिसने झूठ के आधार पर कहा था कि हम राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे, राजनीतिक दल बनाया। उन्होंने कहा कि मकान नहीं लेंगे, मकान लिया। सुरक्षा नहीं लेंगे, सुरक्षा ली। कोई गलत काम नहीं करेंगे, सबसे पहले शराब के घोटाले में बंद हुए और इनके चार-चार मंत्री बंधु भी शामिल हैं।

ईरान के राष्ट्रपति, विदेश मंत्री का हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन

- अमेरिका-इजराइल से तनाव के बीच वाइस प्रेसिडेंट मुखबेर अंतरिम राष्ट्रपति बने
- बाघेरी कनी नए विदेश मंत्री

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (63) और विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन का हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ईरना ने सोमवार सुबह यह जानकारी दी। अजरबैजान से लौटते समय उनका हेलिकॉप्टर रविवार शाम करीब 7 बजे लापता हो गया था। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार सभी 9 लोग मारे गए।

मध्य पूर्व एशिया के शिया बहुल देश ईरान ने अपने दो नेताओं को उस समय खोया है, जब इजराइल के साथ उसके रिश्ते टकराव की सीमा तक बिगड़ गए हैं। वहीं अमेरिका-ईरान के संबंधों में भी तनाव हैं। ऐसे में उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबेर को अंतरिम राष्ट्पति बनाया गया है। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनेई ने सोमवार को यह ऐलान किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 21 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

उत्तर प्रदेश की बिटिया ने विदेशी सरजमीं पर फिर बढ़ाई देश की शान

अपनी बनाई साड़ी पहन खींच लिया सबका ध्यान

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े फिल्म फेस्टिवल में से एक कान्स फिल्म फेस्टिवल इन दिनों सुर्खियों में छाया हुआ है। यहां दुनियाभर के मशहूर सितारे रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेर रहे हैं, लेकिन एक नाम जो सबकी जुबान पर चढ़ा हुआ है, वो है उत्तर प्रदेश की नैंसी त्यागी का। नैंसी एक उभरती हुई फैशन डिजाइन और कंटेंट क्रिएटर हैं। जिन्होंने बेबी पिंक कलर के अपने रफल्ड गाउन के साथ कान्स में डेब्यू करके तहलका मचा दिया था। अब कान्स से नैंसी का नया लुक सामने आया है। जिसे देख हर कोई यूपी के बागपत जिले की इस बिटिया की प्रतिभा का कायल हो गया। नैंसी ने एक वीडियो शेयर कर दिखाया है कि कैसे उन्होंने कान्स के अपने दूसरे लुक के लिए लैवेंडर कलर का फैब्रिक खरीदकर खुद उससे साड़ी बनाई। जिसमें वह बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड की भी हसीनाओं को अपने स्टाइल से मात देती दिखीं।

- **वीडियो में दिखाई झलक-** नैंसी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करके दिखाया है कि कैसे उन्होंने अपने इस दूसरे लुक को तैयार किया। पहले वह फैब्रिक लेने बाजार गईं और फिर हाथ से सितारे लगाकर कढ़ाई की और हथौड़े की मदद से उसे फाइनल टच दिया। इसके बाद अपनी सिलाई मशीन से सेक्विन साड़ी बनाने के साथ ही स्टेटमेंट ब्लाउज और एक हेड कैप तैयार की।
- **स्पेशल इवेंट के लिए तैयार किया लुक-** नैंसी का ये साड़ी लुक कान्स के स्पेशल इवेंट के लिए था। जिसे उन्होंने बड़ी ही खूबसूरती से डिजाइन किया था। ये हैंड एम्ब्रॉयडरी वाली हैवी लैवेंडर साड़ी थी। जिसके साथ उन्होंने स्टेटमेंट ब्लाउज बनाया और बड़े से पल्लू के साथ ट्रेल भी रखी, जो उनके इस लुक में जान डाल रही थी।

हेयर स्टाइल और मेकअप लगा परफेक्ट

नैंसी के इस लुक में जान उनके हेयर स्टाइल और मेकअप ने डाली। अपने बालों का उन्होंने मिडिल पार्टीशन करके स्लीक बन बनाया और दो लटों को कर्ल करके छोड़ दिया। उनके आउटफिट में पहले से काफी ब्लिंग था इसलिए उन्होंने सिर्फ बड़े से हूप्स पहने थे। वहीं, शिमरी आईशैडो के साथ उन्होंने अपने आई लुक को कंप्लीट किया और न्यूड लिप्स रखे।

लॉकडाउन में चमकी किस्मत

12वीं के बाद दिल्ली पीएससी की परीक्षा की तैयारी करने आई नैंसी को अंदाजा भी नहीं था कि वह आज इस मुकाम पर पहुंच जाएंगी। जब वह कोचिंग के लिए दिल्ली आई थीं, तो कोरोना के चलते लॉकडाउन लग गया। जिसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना सफर शुरू किया।

संक्षिप्त समाचार

आईसीएमआर बोला-

कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स वाली रिसर्च गलत

- भारत बायोटेक ने कोवैक्सिन बनाई है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) की एक रिसर्च में सामने आया कि कोवैक्सिन के भी साइड इफेक्ट्स हैं। इसमें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का हवाला दिया गया।

आईसीएमआर ने इस पर प्रतिक्रिया दी है और इसे गलत बताया है।

आईसीएमआर ने बीएच को एक नोटिस भेजा है। इसमें आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल डॉ. राजीव बहल ने लिखा है कि जिस रिसर्च में यह दावा किया गया है कि अध्ययन में वैक्सीन लेने वाले लोगों पर गंभीर साइड्स इफेक्ट्स देखे गए, वह रिसर्च पूरी तरह भ्रामक और गलत तथ्यों पर आधारित है। इसका आईसीएमआर से कोई लेना-देना नहीं है। आईसीएमआरने इसके लिए कोई मदद नहीं दी है।

कपाट खुलने के बाद 8 दिन में 1.20 लाख तीर्थयात्री बद्रीनाथ पहुंचे

बद्रीनाथ (एजेंसी)। बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद केवल 8 दिनों में रिकॉर्ड 1,20,757 तीर्थयात्री बद्रीनाथ के दर्शन कर चुके हैं। 19 मई को 28055 तीर्थयात्रियों ने

बद्रीनाथ के दर्शन किए। यात्रा में कोई परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन भक्तों को सभी सुविधाएं दे रहा है। डीएम हिमांशु खुराना के मुताबिक बद्रीनाथ धाम में अब तक 1546 श्रद्धालुओं की जांच एवं उपचार किया जा चुका है। बदलते मौसम में श्रद्धालुओं को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

3.प्र.समेत 4 राज्यों में आज सीवियर हीटवेव की चेतावनी

दिल्ली में तापमान 47.8 डिग्री, केरल-तमिलनाडु में 2 दिन तक बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तेज गर्मी का दौर लगातार जारी है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में आज सीवियर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी आज लू चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा है कि हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात में तापमान 43 डिग्री के ऊपर रिकॉर्ड किया जा रहा है। रविवार को दिल्ली के नजफगढ़ में तापमान सबसे ज्यादा 47.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इन राज्यों में आने वाले दिनों में तापमान के गिरावट की संभावना कम है।

उधर, दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश का

दौर देखने को मिल रहा है। आज से तीन दिन तक केरल और तमिलनाडु में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कर्नाटक और पुडुचेरी में आज से दो दिन के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में रविवार को भी भारी बारिश देखने को मिली थी।

मौसम का अनुमान

- 21 मई: 13 राज्यों में हीटवेव, 5 राज्यों में बारिश ● तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, लक्षद्वीप, निकोबार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में तेज बारिश होगी। ● पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा में हीटवेव का अलर्ट गोवा में उमसभरी गर्मी होगी।

गुजरात में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

- एटीएस ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस के चार आतंकी दबोचे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने सोमवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस के 4 आर्तकियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस से मिली जानकारी के मुताबिक, इन चारों लोगों को केंद्रीय एजेंसी से मिले इनपुट के आधार पर अरेस्ट किया गया है। चारों मूल रूप से श्रीलंका के रहने वाले हैं। चारों किस मकसद से अहमदाबाद आए थे और किन-किन लोगों के संपर्क में थे। एटीएस इसकी जांच में जुटी है।

स्पेन और पुर्तगाल से गुजरा विशालकाय उल्कापिंड, रात में नीली रोशनी से चमक उठा आसमान

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन और पुर्तगाल में रात के दौरान आसमान में उठी नीली रोशनी ने लोगों को हैरान कर दिया। ये रोशनी इतनी तेज थी कि पूरा आसमान जगमगा उठा। उल्कापिंड के इस शानदार और आश्चर्यजनक नजारे को कई लोगों ने अपने कैमरे पर कैद किया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया है। उल्कापिंड को कई एंगल से

कैमरे में कैद किया गया है, लेकिन इन सबमें एक बात कॉमन है और वो है चमकीली नीली रोशनी, जिसने गायब होने से पहले पूरे आसमान को रोशन कर दिया। कई यूजर ने एक्स पर उल्कापिंड के आसमान में तेजी से जाते हुए वीडियो को शेयर किया है।

एक वीडियो में महिला सड़क के किनारे खड़ी है तभी उसके ऊपर से आसमान में तेज रोशनी गुजरती है। एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कोलिन रग नाम के एक यूजर ने कहा, अभी-अभी स्पेन और पुर्तगाल के आसमान में उल्कापिंड देखा गया। ये हैरतअंगेज है। शुरुआती रिपोर्ट बताती हैं कि आसमान में रात के दौरान सैकड़ों किलोमीटर लंबी चमक को देखा गया है।

गिरने की नहीं हुई पुष्टि- रग ने आगे लिखा, फिलहाल, यह पुष्टि नहीं हुई है कि उल्कापिंड पृथ्वी से टकराया है या नहीं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट में यह कहा गया है कि यह कास्त्रो डेयर शहर के पास गिरा होगा। कुछ दूसरी रिपोर्ट में कहा गया कि यह पिनहेइरो के करीब था।

वीडियो किया जा रहा शेयर- सोशल मीडिया यूजर उल्कापिंड का नजारा देखकर हैरान में पड़ गए। कुछ यूजर्स ने हाल के दिनों में आसमान में होनी वाली आश्चर्यजनक घटनाओं की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें हाल ही में देखी गई नॉर्दन लाइट्स और सूर्य ग्रहण का भी जिक्र किया। कुछ दिन पहले ही सूरज से उठे चुंबकीय तूफान के चलते ब्रिटेन से लेकर जर्मनी तक आसमान में नॉर्दर्न लाइट्स का अद्भुत नजारा देखा गया था।

ऐसे सारस्वत आयोजन ही तो नजीर बनते हैं

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का पत्र संपादक के नाम के लेखकों का मिलन समारोह संपन्न

इंदौर। देश की नब्ज टटोलने और पत्र लेखन के माध्यम से राष्ट्रीय दायित्व निर्वहन को लेकर रविवार को गांधी हाल परिसर स्थित अभिनव कला समाज के सभागार में अखिल भारतीय साहित्य परिषद और नाहर पारमार्थिक न्यास के बैनर तले पत्र लेखकों के जमावड़े के बीच क्रांतिकारी विचार सामने आए। आमंत्रित अतिथियों ने विषय की मीमांसा करते हुए अपने वक्तव्य रखे। प्रथम सत्र में एक देश एक चुनाव पर अधिवक्ता मनोज कुमार द्विवेदी ने सारगर्भित विचार रखते हुए इसके नफे-नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। अधिवक्ता पावेचा ने भी विषय को बहुत गहनता से समझाया। विधि की छात्रा आयुषी जैन ने भी इस विषय पर अपने तथ्य प्रस्तुत किए।

द्वितीय सत्र में समाज और राष्ट्र निर्माण में पत्र लेखकों का दायित्व विषय पर अतिथि सुभाष विनायका ने भी पत्र लेखन विधा के बारे में सूक्ष्म जानकारी दी। वरिष्ठ पत्र लेखक हाटपिपल्या से पधारे राजेंद्र बज, रतलाम के ओपी चौधरी, उज्जैन (तराना) से आए बीएल शर्मा ने पत्र लेखकों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्र लेखक अपने लेखन से समाज, देश के नागरिकों को जागरुक करते हुए अपने दायित्व का बखूबी निभा रहे हैं। व्यंग्यकार और पूर्व पत्र लेखक प्रीतम लखवाल ने कहा कि पत्रलेखक समाज के जन-जन को जागरूक कर राष्ट्र हित में निष्पक्षता से अपनी लेखनी चला रहे हैं। जब पत्रकार चुप हो जाता है तब पत्र लेखक मुखर होता है। अफसोस यह है कि अधिकांश प्रमुख समाचार पत्रों ने उनका अपना कॉलम ही बंद कर दिया है या फिर स्थान बहुत सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब हम एक देश एक चुनाव की बात करते हैं तो क्यों न एक

अखबार एक कॉलम की मांग आज प्रासंगिक है। विषय पर मनीष दवे, साजिद अली, संध्या बायवर, विकास चौधरी, विकास पंडित सहित अन्य पत्रलेखकों ने अपने व्यक्तव्य रखे। तीसरे सत्र में सर्वाधिक पत्रलेखन करने वाले पत्र लेखक अनिल धड़वई वाले, विजय इमलीवाला, दिनेश तिवारी उपवन, बीएल शर्मा, मनावर के स्वप्निल शर्मा, प्रकाश हेमावत, मनमोहन राजावत, प्रीतम लखवाल आदि का संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही पत्रकार और फ़ोटो जर्नलिस्ट निशिकांत मंडलोई सहित विभिन्न क्षेत्र की 9 प्रतिभाओं का सम्मान किया। इसमें खेल के क्षेत्र में सृष्टि तिवारी, शिक्षा के क्षेत्र में नर्मदा आटोलिया, साहित्यकार सदाशिव कौस्तुभ आदि का अभिनंदन किया गया। सत्र को मप्र प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्र लेखक स्व.कनकमल जैन को शिद्दत से स्मरण किया गया। आरंभ में सरस्वती वंदना वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश माहेश्वरी ने प्रस्तुत की।

स्व.कनकमल जैन के लघुभ्राता बाबूलाल नाहर ने यह पूरा आयोजन संयोजित किया और संचालन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्र लेखक मनोहर मंजुल, विनोद सोनतले, रॉबिन इमलीवाला, कवि राम शर्मा परिंदा, कल्याणसिंह राजपूत, सज्जाद अहमद कुरैशी, मोहित सोनी, विकास चौधरी, वसंत बापट, गुणवत गोयल, आशीष सकलेचा सहित बड़ी संख्या में पत्र लेखक, साहित्यकार और लेखक, पत्रकार आदि मौजूद थे। वरिष्ठ पत्रकार अनिल धड़वई वाले की ओर से बाबूलाल नाहर का पुष्पहार पहनकर और शाल ओढ़ा कर सम्मान किया गया। विशेष बात यह कि कार्यक्रम में स्व.कनकमल जैन की पुत्री, पुत्र और दामाद भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़-कवर्धा में

20 फीट गहरे गड्ढे में पिकअप गिरी, 18 की मौत, 8 घायल

सभी आदिवासी, इनमें मां-बेटी सहित 16 महिलाएं थीं

कवर्धा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में सोमवार (20 मई) को तेज रफ्तार पिकअप पलटकर 20 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, 8 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें 4 को हायर सेंटर रेफर किया गया है। सभी आदिवासी समाज से हैं। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास हुआ है।

एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि मरने वालों में 16 महिलाएं शामिल हैं। इनमें मां-बेटी सहित 3 बच्चियां भी हैं। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस के 4 आतंकी अरेस्ट

- चारों श्रीलंका के रहने वाले, कल और परसों आईपीएल के दो मैच होने हैं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने सोमवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस के 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस से मिली जानकारी के मुताबिक, इन चारों लोगों को केंद्रीय एजेंसी से मिले इनपुट के आधार पर अरेस्ट किया गया है। चारों मूल रूप से श्रीलंका के रहने वाले हैं। चारों किस मकसद से अहमदाबाद आए थे और किन-किन लोगों के संपर्क में थे। एटीएस इसकी जांच में जुटी है।

6 मई को अहमदाबाद के 36 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी- 6 मई 2024 को अहमदाबाद के 36 स्कूलों को बम से उड़ाने के ई-मेल मिले थे। हालांकि जांच में किसी भी स्कूल से कोई आपत्तिजनक चीज नहीं मिली थी।

आगरा में जूता व्यापारियों के यहां 60 करोड़ कैश

- मशीन से नोट गिनने शिफ्ट में बुलाए कर्मचारी, पर्ची कारोबार से होता था पूरा खेल

आगरा (एजेंसी)। आगरा में 3 जूता कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की रेड लगातार 48 घंटे से जारी रही। सोमवार सुबह 12 बजे तक तीनों कारोबारियों के यहां कार्रवाई चल रही थी। इनकम टैक्स को कारोबारियों के पास से करीब 60 करोड़ रुपए कैश बरामद होने का अनुमान है। मंगलवार तक सर्चिंग चल सकती है।

इनकम टैक्स ने कारोबारियों से बरामद कैश रकम को भारतीय स्टेट बैंक में जमा कराने के लिए भेजा है। बैंक स्टाफ द्वारा नोटों की गिनती पूरी होने के बाद ही कैश की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

सबसे ज्यादा कैश हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के यहां से मिला है। रामनाथ डंग आगरा के जूता कारोबार में पर्ची सिस्टम के बड़े खिलाड़ी हैं। रामनाथ जूता कारोबार में आने से पहले बहुत साधारण व्यक्ति थे। उन्होंने आटा चक्की से शुरुआत की थी। करीब 25 साल में वो कैसे करोड़ों के मालिक बन गए? इस सवाल को लेकर टीम जांच कर रही है।

आगरा में शनिवार को इनकम टैक्स विभाग ने आगरा के तीन जूता कारोबारियों के यहां पर रेड की थी। तीनों कारोबारी बीके शूज के एमजी रोड स्थित प्रतिष्ठान और सूर्य नगर स्थित घर, हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के घर व फर्म व मंशु फुटवियर के आवास व फर्म पर रेड की गई।

आरक्षक ने थाने में सुसाइड की कोशिश की

एसीपी के सामने बोला- एएसआई नौकरी से निकलवाने की धमकी देता है

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन थाने में आरक्षक राहुल राणा ने सुसाइड करने की कोशिश की। वह फंदे पर लटकने ही वाला था कि पुलिसकर्मियों ने देख लिया और पकड़कर समझाइश दी। इससे पहले आरक्षक का एएसआई पवन रघुवंशी से विवाद हुआ था। सूचना के बाद आला अधिकारी रविवार की शाम को थाने पहुंच गए थे। राहुल ने एएसआई की कोई लिखित शिकायत नहीं की है। हालांकि, उसने एसीपी के सामने कहा कि एएसआई उसे नौकरी से निकलवाने की धमकी देता था। जानकारी के मुताबिक राहुल राणा और एएसआई पवन रघुवंशी एक ही थाने में पदस्थ हैं। पिछले दिनों अशोका गार्डन पुलिस ने पंथ नगर में कारोबारी कैलाश खत्री के घर छापा मारा था। खत्री के घर 40 लाख रुपए नकद मिले थे। इस मामले में कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम पर रकम में हेरफेर करने के आरोप लगे थे। इसके बाद थाना प्रभारी सहित पांच लोगों को लाइन अटैच किया गया था।

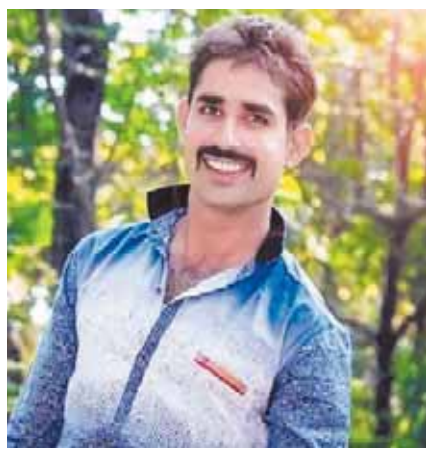

कर्रवाई कराने की धमकी देते थे एएसआई

सूत्रों की मानें तो पवन इसी मामले में राहुल पर कार्रवाई कराने की बात कहकर उसे धमका रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई दिनों से तनातनी चल रही थी। रविवार की शाम को थाना परिसर में इन दोनों का विवाद हुआ। इसके बाद राहुल थाने के ऊपर एक कमरे में गया, वहां उसने फांसी का फंदा बनाकर पंखे से बांध लिया। यह देखकर साथी पुलिसकर्मियों ने उसे रोका। बाद में मामले की सूचना अधिकारियों को दी। एसीपी अक्षय चौधरी मौके पर पहुंचे। दोनों को समझाइश दी, दोनों उनके सामने ही एक-दूसरे को खरी खोटी सुनाई।

सुसाइड नोट को चबा लिया

बताया जा रहा है कि एसीपी जब मौके पर पहुंचे तो राहुल की जेब में एक नोट रखा था। जब उससे वह नोट दिखाने के लिए कहा तो उसने कागज को चबा लिया। सूत्रों का दावा है कि इसी कागज में सुसाइड नोट लिखा गया था। एसीपी की समझाइश के बाद दोनों पक्षों को उनके घर के लिए रवाना किया गया।

दोनों पक्षों ने बात करने से मना किया

मामले में राहुल राणा से फोन पर संपर्क किया। उन्होंने घटना के संबंध में कुछ भी कहने से मना कर दिया। वहीं, पवन रघुवंशी से फोन पर संपर्क नहीं हो सका है। एसीपी अक्षय चौधरी से भी फोन पर संपर्क नहीं हो सका है।

भोपाल में कारोबारी से 40 लाख रुपए और मिले

अशोका गार्डन क्षेत्र में कारोबारी कैलाश खत्री के पास से पुलिस को 40 लाख रुपए और मिले हैं। कारोबारी ने ये रुपए महिला रिश्तेदार के यहां छिपा रखे थे। पुलिस ने महिला रिश्तेदार के यहां छापा मारा। वह आरोपी की बहन बताई जा रही है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रांत के शिक्षा वर्ग प्रारंभ

इटारसी में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 324 कार्यकर्ता एवं राजगढ़ में 332 कार्यकर्ता हुए हैं शामिल, 15 दिन चलेगा प्रशिक्षण

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत प्रांत के तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन इटारसी एवं राजगढ़ में किया जा रहा है। दोनों ही स्थानों पर संघ शिक्षा वर्ग 18 मई से प्रारंभ हो गए हैं, जिनका औपचारिक उद्घाटन 19 मई को किया गया। इटारसी के संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी श्री घनश्याम रघुवंशी, वर्ग कार्यवाह श्री कदम सिंह मीणा और प्रांत कार्यवाह श्री हेमंत सेठिया ने किया। वहीं, राजगढ़ के वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी श्री सुनील पाठक, वर्ग कार्यवाह श्री राघवेन्द्र त्रिपाठी और वर्ग पालक श्री विक्रम सिंह ने किया। संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे।

इटारसी के धुरपन ग्राम में स्थित सेवा भारती के छात्रावास में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन में वर्गाधिकारी श्री घनश्याम रघुवंशी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का

आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है। यहाँ हमें सामूहिक जीवन को व्यापक संदर्भ में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ग में हमें स्वयं के लिए कठोर अनुशासन का पालन करना है और अपनी सुविधा से पहले सह-शिक्षार्थियों की सुविधा का ध्यान रखना है। राजगढ़ में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन में वर्ग कार्यवाह श्री राघवेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग एक साधना है। मनःपूर्वक यह साधना पूर्ण करने से कार्यकर्ता का विकास होता है और उसके भीतर संगठन कार्य का कौशल बढ़ता है। उन्होंने बताया कि संघ शिक्षा वर्ग में शामिल हुए युवा संघ कार्य का प्रशिक्षण तो प्राप्त करेंगे ही, इसके साथ ही उन्हें शारीरिक, बौद्धिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। सेवा और प्रबंधन के कार्य का प्रशिक्षण भी विशेषतौर से दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि संघ के स्वयंसेवक देशभर में डेढ़ लाख से अधिक सेवा कार्यों का संचालन करते हैं। आपात स्थिति में राहत कार्यों में भी संघ के स्वयंसेवक आगे आकर कार्य करते हैं।

31 जिलों के कुल 656 स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण- संघ की रचना के 31 जिलों के कुल 656 स्वयंसेवक दोनों स्थानों पर आयोजित संघ शिक्षा वर्गों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनमें इटारसी में 324 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं और राजगढ़ में 332 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया है। उल्लेखनीय है कि जिन स्वयंसेवकों ने पूर्व में 7 दिन का प्राथमिक वर्ग का प्रशिक्षण प्राप्त किया होता है और वे संघ के कार्य में सक्रिय रहते हैं, उनमें से ही चयनित कार्यकर्ताओं को संघ शिक्षा वर्ग में भेजा जाता है।

व्यापारी के सिर पर चाकू से 10 वार किए, गंभीर

पत्नी के सामने दो बदमाश ने हाथ पकड़े, तीसरे ने चाकू मारे; मामा-भांजे पर भी हमला

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में बदमाशों ने एक किराना व्यापारी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घटना रविवार रात की है। व्यापारी को बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। फिलहाल वे बेहोश ही हैं। बीच-बचाव करने आई व्यापारी की पत्नी के हाथ में चाकू लगा है। मामला रांझी थाने के चौधरी मोहल्ले का है। बदमाशों ने सबसे पहले एक दिव्यांग और उनके मामा को चाकू मारे। इसके बाद तीनों चाइना चाकू लहराते हुए आगे बढ़े। मोहल्ले के लोगों को धमकाते हुए कहने लगे कि जो भी घर के बाहर है, अंदर चले जाओ। व्यापारी व्यापारी पंकज चौधरी (37) अपनी पत्नी गंगा के साथ बाहर टहल रहे थे, वे धमकी के बाद भी घर के अंदर नहीं गए। इससे बदमाश गुस्से में आ गए। गंगा के मुताबिक, दो बदमाशों ने पति के हाथ पकड़े और तीसरे ने उनके सिर पर चाकू से 10 वार कर दिए। पैर में भी चाकू मारे।

दिव्यांग से पैसे मांगे, जिस पैर से चलने में असमर्थ, उसी में मारा चाकू: रविवार रात 11 एक पैर से दिव्यांग गोलू चौधरी अपने घर के बाहर बैठे हुए थे, तभी बदमाश संजू चौधरी दो साथी आजाद और राज के साथ उनके पास पहुंचा। वो गोलू से रुपए की डिमांड करने लगा। पैसे नहीं देने पर बदमाश ने उनके उसी पैर पर चाकू मार दिया, जिससे वे चलने में असमर्थ हैं। गोलू के मामा सुनील चौधरी बचाने आए तो बदमाश ने उनके पेट में भी चाकू घोंप दिया। इसके बाद भाग निकले।

घर के बाहर टहल रहे थे व्यापारी और उनकी पत्नी

पंकज चौधरी, पत्नी गंगा चौधरी के साथ घर के बाहर टहल रहे थे। वे घर के अंदर नहीं गए तो बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। गंगा ने मीडिया को बताया कि आजाद और राज ने पति के हाथ पकड़े, इसके बाद संजू ने पंकज के पैर और उनके सिर पर चाकू मारे। घायल हालत में गंगा खुद पति को रांझी अस्पताल ले गईं। यहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डायल-100 को सूचना दी गई, लेकिन इससे पहले थाना प्रभारी रमन सिंह मरकाम घटनास्थल पर पहुंच गए। पंकज मूल रूप से प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं। शादी के बाद जबलपुर ससुराल में रहते हैं। दो साल की बच्ची है।

बदमाशों को पकड़ने के लिए तीन टीम गठित

संजू लोधी जबलपुर का शातिर बदमाश है। उसके खिलाफ दो दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। रांझी थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर एमआई भूनिया ने बताया कि पंकज, गोलू के परिजन की शिकायत पर संजू और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बदमाशों को पकड़ने के लिए दो टीम बनाई गई हैं।

पति ने गला काटा, इसी हालत में थाने पहुंची पत्नी

पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया जबलपुर में बीच बाजार हमला

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के गोकलपुर बाजार में पति ने पत्नी के गले पर चाकू मार दिया। महिला, मां के साथ ऑटो से जख्मी हालत में 2 किलोमीटर दूर थाने पहुंची। उसके गले से खून की धार बह रही थी। पुलिस ने तुरंत उसे रांझी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल, फिर वहां से रात में ही मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना के बाद से आरोपी पति फरार है।

एक साल पहले हुई शादी

शहर के गोकलपुर में रहने वाली रोशनी अहिरवार (27) की सागर निवासी भरत जाटव (32) के साथ एक साल पहले शादी हुई। दोनों गोकलपुर में ही किराए का मकान लेकर रह रहे हैं। दो दिन पहले रोशनी का भरत से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद से ही दोनों में अनबन चल रही थी। रविवार रात रोशनी अपनी ननद सोनम के साथ बाजार जा रही थी। सोनम भी पड़ोस में ही रहती है। गोकलपुर बाजार पहुंचते ही भरत आया और बिना कुछ बोले रोशनी के गले में चाकू मार दिया।

पुलिस की टीम सागर रवाना

गोकलपुर थाना प्रभारी रमन सिंह मरकाम ने रोशनी को अस्पताल पहुंचवाया। एएसपी समर वर्मा ने बताया कि घटना बहुत ही गंभीर हैं। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीम बनाई गई हैं। एक टीम भरत के पैतृक स्थान सागर भी गई है।

शादीशुदा है शीतल की हत्या का आरोपी दोस्त

बॉडी जल्दी डी-कंपोज न हो, इसलिए चेकआउट से कुछ देर पहले ही घोटा था गला

भोपाल (नप्र)। हिमाचल प्रदेश के मनाली में 15 मई को हुए भोपाल की युवती के मर्डर मामले में पुलिस की उसके फ्रेंड से पूछताछ जारी है। आरोपी विनोद की आज रिमांड खत्म हो रही है। इससे पहले रविवार को पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शीतल का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। फरारी के प्रयास में भागते समय आरोपी ने मोबाइल फोन को मनाली के ही जंगल में झाड़ियों में फेंक दिया था। विनोद ने पुलिस को बताया कि एक दिन पहले ही उसने मनाली से तीन फीट का बैग खरीदा था, तभी उसने मन बना लिया था कि चेकआउट से कुछ समय पहले शीतल की हत्या करना है। विनोद ठाकुर ने पुलिस को बताया कि चेकआउट से कुछ समय पहले हत्या करने का इरादा उसने इसलिए बनाया था कि शव बैग में आसानी से भरा जा सके। ज्यादा पुराना शव अकड़ सकता था। उसके डी-कंपोज होने के चांस भी ज्यादा रहते हैं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मनाली के एक मार्केट में बैग की दुकान चलाने वाले उस व्यापारी से भी तस्दीक की, जिससे उसने बैग खरीदा था। इसी के साथ आरोपी की निशानदेही पर शीतल का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। जहां उसने मोबाइल को फेंका था, वह घटनास्थल से करीब आधा किलो

मीटर दूर है।

पुलिस ने घटना का री-क्रिएशन कराया

रविवार को पुलिस ने आरोपी से घटना का री-क्रिएशन कराया है। गोंपा रोड स्थित होटल के कमरा नंबर 302 में पुलिस उसे लेकर पहुंची थी। वहां उसने बताया कि 15 मई की सुबह उसका शीतल से झगड़ा हुआ। शीतल उसके साथ ही रहने की जिद कर रही थी। उसने शीतल की गला घोटकर हत्या की और तत्काल लाश को 3 फीट के बैग में फोल्ड कर भर दिया। चेकआउट के समय वह बैग को घसीटकर सीढ़ियों से नीचे लाया था। जहां स्टाफ के एक युवक ने उससे बैग कार तक छोड़ने के संबंध में पूछा। तब उसने बैग युवक को दिया। अधिक भारी बैग के संबंध में युवक ने उससे पूछताछ की तो वह भाग निकला। भागते समय ही उसने मोबाइल को तोड़कर झाड़ियों में फेंक दिया था।

भाभी का मोबाइल लेकर गई थी शीतल

भोपाल के अजय नगर में रहने वाली 23 वर्षीय शीतल कौशल अपने माता-पिता के साथ रहती थी। उसका बड़ा भाई अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बगल वाले मकान में रहता है। युवती के पिता ऑटो चलाते हैं। जबकि मां बंगलों में काम करती है। बड़ा भाई ओला ड्राइवर है, उसकी पत्नी के पास सैमसंग कंपनी का एक मोबाइल था, जिसमें जियो की दो सिम लगी हुई थीं। बीती पांच मई को युवती यह फोन लेकर घर से गायब हो गई थी। भाई ने उसी दिन थाने जाकर बहन द्वारा मोबाइल फोन लेकर जाने, दोनों सिमों को बंद कराने और दूसरी सिम जारी करवाने के लिए आवेदन दिया था।

डीएसपी बोले- मनाली से ही खरीदा था बैग

मनाली के डीएसपी केडी शर्मा ने बताया कि विनोद ने मनाली से ही तीन फीट का बैग खरीदा था। जहां से बैग खरीदा गया वहां तस्दीक करा ली गई है। इसी के साथ शीतल के मोबाइल फोन को भी आरोपी की निशानदेही पर बरामद कर लिया गया है। आरोपी ने गला घोंटकर हत्या करने की बात बताई है। पीएम रिपोर्ट में मौत के सही कारणों का खुलासा होगा।

पहले से ही शादीशुदा है विनोद

आरोपी विनोद ठाकुर पलवल के असावटी मोड़ का रहने वाला है और बताया जा रहा है कि वह शादीशुदा है। साथ ही उसका ढाई साल का बेटा भी है। विनोद झगड़ालू स्वभाव का है। उसका परिवार एक दशक पहले अपने गांव यूपी के मथुरा के शेरगढ़ से पलवल शिफ्ट हुआ था। उसके पिता की दो साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में भी उसकी बनती नहीं है। पत्नी ने आए दिन के विवाद के चलते उसे छोड़ दिया था। वो बेटे के साथ अलग रह रही है।

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला ने महाकाल के दर्शन किए

- नंदी हॉल से भस्म आरती की, भक्ति में लीन दिखीं; 'कांटा लगा' से मिली थी प्रसिद्धि

उज्जैन (नप्र)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार सुबह 4 बजे एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला ने दर्शन किए। वे परिवार के साथ महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुईं। जरीवाला मंदिर में दो घंटे रहीं। भस्म आरती के दौरान नंदी हॉल में महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। भस्म आरती के बाद नंदी हॉल से ही दर्शन कर उन्होंने महाकाल का आशीर्वाद लिया। शेफाली को म्यूजिक वीडियो कांटा लगा से प्रसिद्धि मिली थी। 2002 में कांटा लगा... सॉन्ग के बाद वे नेशनल सेंसेशन बन गई थीं। उन्होंने 10 से ज्यादा एल्बम सॉन्ग में काम किया है। 2004 में रिलीज फिल्म मुझसे शादी करोगी में सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ नजर आ चुकी हैं।

संपादकीय

ममता की रणनीति, कांग्रेस में दरार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अपने बयान से इंडिया गठबंधन को एक बार फिर उलझा दिया है। केवल उलझाया ही नहीं बल्कि राज्य में विपक्षी कांग्रेस के नेताओं में भी गहरी दरार डाल दी है। यह साफ हो गया है कि ममता बनर्जी को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय और राज्य इकाई में खासा मतभेद है, जो ममता के बयान के बाद सार्वजनिक हो गया है। कांग्रेस में झगड़ा हो, यही ममता चाहती भी थीं। वैसे भी ममता और कांग्रेस के बीच रिश्ते नरम गरम ही रहे हैं। पश्चिम बंगाल की कांग्रेस इकाई कतई नहीं चाहती कि पार्टी ममता की तृणमूल कांग्रेस से समझौता या गलबहियां करें। लेकिन पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व विपक्ष के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर ममता के तमाम नखरे झेलने को मजबूर है। वैसे भी इंडिया गठबंधन में ममता की भूमिका बहुत स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन के साथ हैं तो राज्य स्तर पर उसकी प्रखर विरोधी हैं। ममता और कांग्रेस के मतभेदों के चलते ही कांग्रेस 2019 में घोर ममता विरोधी नेता अधीर रंजन चौधरी को संसदीय दल का नेता नियुक्त किया था। अधीर ममता से हाथ मिलाने के घोर विरोधी रहे हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि ममता के कारण ही पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की दुर्गति हुई है। इस मनभेद को ममता ने दो दिन पूर्व हुगली की एक सभा यह बयान देकर और हवा दे दी कि लोकसभा चुनाव के बाद अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो ममता उसे बाहर से ही समर्थन देंगी। वैसे भी पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन का समझौता लागू नहीं होता। यानी कि वो सरकार में शामिल नहीं होंगी। क्योंकि उसे लीड कांग्रेस करेगी। यही नहीं, उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस और वाम दलों की स्थानीय इकाइयां भाजपा के लिए काम कर रही हैं। इस बयान के दो अर्थ निकाले गए। पहला तो यह कि अगर इंडिया गठबंधन सरकार बनी भी तो वह अस्थिर और कमजोर सरकार होगी। दूसरे यह कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने की संभावना ही नहीं है, इसलिए टीएमसी सरकार में रहे या बाहर से समर्थन दे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। इस बयान पर मचे बवाल के बाद ममता ने सफाई दी कि हम विपक्षी गठबंधन में शामिल हैं। इस बयान के बाद अधीर रंजन ने फिर ममता पर हमला किया। उन्होंने कहा कि ममता का बयान इस बात का संकेत है कि इंडिया गठबंधन आगे बढ़ रहा है और सरकार बनाने की कगार पर है। यही कारण है कि एक चतुर और अवसरवादी नेता के रूप में ममता बनर्जी ने पहले ही अपना समर्थन देने का फैसला किया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर ममता की रणनीति है क्या? जानकारों का मानना है कि यह ममता की रणनीति है। उन्होंने अपना सुर नहीं बदला है। उनकी कोशिश है कि भाजपा के साथ कांग्रेस और वाम दलों का वोट न जुड़ पाए। ऐसा होने पर ही टीएमसी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित हो सकेगी। ममता की कोशिश है कि इस लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी के ज्यादा से ज्यादा प्रत्याशी जीतें ताकि राष्ट्रीय राजनीति में उनका महत्व बना रहे। उधर अधीर के बयान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चेतावनी दी है कि ममता को लेकर रणनीति हाईकमान के हिसाब से बनेगी। जो इसे नहीं मानेगा। वह बाहर जाएगा। इस चेतावनी के बाद किसी ने खरगे के पोस्टर पर कालिख पोत दी। उधर अधीर भी जल्द हथियार डालने को तैयार नहीं हैं। अगर कांग्रेस की केन्द्रीय और राज्य इकाई के बीच ही कोई सामंजस्य नहीं है तो पार्टी भाजपा से कैसे लड़ेगी?

नोटा को निर्णायक बनाएं

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

पिछले लगभग एक दशक पूर्व देश में यह चर्चा शुरू हुई थी कि अगर दलों के प्रत्याशियों से मतदाता प्रसन्न नहीं हैं और उन्हें वह वोट नहीं देना चाहता तो इन मतदाताओं के लिये क्या विकल्प है और विशेषतः तब, जब आम चर्चा होती है कि मतदान हमारा राष्ट्रीय दायित्व है जिसे हमें हर हालात में पूरा करना चाहिये। मतदाताओं के मतदान केंद्र तक जाने के लिये उन्हें प्रेरित करने के लिये, करोड़ों लाखों रुपया विज्ञापन में खर्च करता है। बड़े-बड़े नामधारी सेलिब्रिटी को पैसा देकर मतदान का प्रचार कराता है। जिला और राज्य स्तर पर भी प्रशासन जो निर्वाचन के काम को पूरा करने के लिए जिम्मेदार है, वह भी अपने-अपने राज्य या जिलों के स्तर पर मतदान को बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास करता है। जब कभी मतदान कम होता है तो देश की सरकार व राजनैतिक दलों तक, निर्वाचन आयोग से लेकर आम आदमी तक मत प्रतिशत कम होने से चिंतित हो जाता है।

इन चिंताओं पर देश में मीडिया जनता व शासन स्तर पर काफी चर्चा हुई और नोटा का एक विकल्प तैयार किया गया। नोटा याने कोई भी प्रत्याशी को पसंद न करने वाले मतदाताओं का खंड। नोटा के प्रति देश में कुछ चर्चा हुई, कुछ हलचल हुई, हालांकि इसका प्रयोग मतदाताओं ने अभी तक बड़े पैमाने पर नहीं किया है। चुनाव आयोग से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग 60 लाख और 2019 के लोकसभा चुनाव में लगभग 65 लाख मतदाताओं ने नोटा के विकल्प का उपयोग समूचे देश में किया। और यह संख्या बमुश्किल 0.5 प्रतिशत के बराबर है याने कुल मतदाताओं के 1 प्रतिशत के बराबरी भी नहीं है। इस नोटा के प्रयोग में एक अच्छा खासा हिस्सा उन दलों के प्रभावी व्यक्तियों का होता है जो अपने दल से टिकिट न मिलने के कारण अपने दल के प्रत्याशी को योग्यता या विचार के कारण नहीं बल्कि व्यक्तिगत हानि व आक्रोश के आधार पर अपने विश्वस्त कार्यकर्ताओं को नोटा प्रयोग करने के लिये गुपचुप रूप से प्रेरित करते हैं। वे अपने दलों के नेतृत्व के सामने बोलने का साहस नहीं करते या वे जानते हैं कि दलीय नेतृत्व की जी हजूरी की जगह उन्हें नाराज करना उनके राजनैतिक भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगा सकता है। इसकी वजह है जहाँ एक तरफ दलों में आंतरिक लोकतंत्र समाप्त हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ ये जो सत्ता के सहारे बड़े नेता को सत्ता की वैशाखियों पर टिकते हैं, और उनका अपना कोई जनाधार नहीं होता। वे नोटा के रूप में कायर विरोध दर्ज कराते हैं। पर एक गुटीय समूह तो होता है जो मुख्यतः जात, विरादरी, धर्म या उपकृत लोगों का छोटा सा हिस्सा होता है और इसलिये लिये वे न सच कह सकते हैं और न बगावत कर सकते हैं। इसलिये कायरों या चूहों के समान केवल खुशपुश होकर शांत हो जाते हैं।

एक ये भी वजह है कि अमूमन ये सत्ता में पहुंचने के बाद भ्रष्टाचार या अन्य विवादों में इतने लिप्त रहते हैं कि वे अपनी केंद्रीय सत्ता के सामने मुँह नहीं खोल सकते। अगर विरोधी सरकार कोई कार्यवाही करे तो कम से कम इतना तो बहाना रहता है कि राजनैतिक कारण या प्रतिशोध के कारण कार्यवाही की जा रही है। परंतु अगर अपने ही दल की केन्द्रीय सत्ता कार्यवाही करे, तो आम जनता में जाकर उसका विरोध करना या उसे लांछित करना संभव नहीं होता। इसके अनेकों उदाहरण भारतीय लोकतंत्र के 70 वर्षों में देखे जा सकते हैं और किस प्रकार केंद्र की सत्ताधारी दल के मुखियाओं या राज्य सरकार के मुखियाओं ने अपने ही दल के विरोधियों के मुख उन गोपनीय जांच फाइलों को दिखाकर बंद कर दिये, जिनमें उनके अपराध का खुला चिट्ठा था।

नोटा का विकल्प भी अधूरा विकल्प है, एक तो इसलिये कि नोटा केवल व्यक्तियों के प्रत्याशियों के आधार पर राय व्यक्त करने के लिये है। उसका अर्थ है श्नन ऑफ द ऐबव्य याने इनमें से कोई नहीं। मतलब प्रत्याशियों से असहमति व्यक्त होती है। परंतु इन दलों से असहमति की राय व्यक्त करने का कोई विकल्प नहीं है और इसकी अभी तक कोई चर्चा भी नहीं हुई। शायद मैं पहली बार इस मुद्दे को उठाना चाहता हूँ कि नोटा के भी दो विकल्प होना चाहिये-

1. प्रत्याशियों को लेकर
2. दलों को लेकर

प्रत्याशियों को लेकर कोई भी अनुकूल नहीं है यह व्यक्त करने के लिये कि नोटा हो पर कोई भी दल उपयुक्त नहीं है, यह भी बताने के लिये नोटा का दूसरा विकल्प तैयार किया जाये। याने 'नन ऑफदीज पार्टीज'। जब नोटा को वोट देने वाला व्यक्ति इसलिये उस प्रत्याशी या अपने दल के प्रत्याशी के खिलाफ वोट देता है तो क्या वह राजनैतिक दल जिसने उसे टिकिट दिया है वह अपराधी नहीं है। वर्तमान नोटा की पद्धति से मात्र वैयक्तिक आक्रोश तो प्रकट होता है परंतु दलीय आक्रोश याने दल के विरुद्ध आक्रोश प्रकट करने का विकल्प नहीं मिलता।

दूसरा एक और महत्वपूर्ण पक्ष है कि अगर नोटा पर कितने ही वोट गिर जाएं तब भी जीते हुये प्रत्याशी के निर्वाचन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। याने अगर जीते हुए प्रत्याशी को एक विधानसभा में 50000 मत मिले व नोट पर 60000 निशान लगे तब भी 50000 वाला जीता माना जायेगा। इसलिये मतदाता सोचता है नोटा पर चिन्ह लगाने का औचित्य नहीं है और वह मतदान से भी निराश होकर दूरी बना लेता है। यही कारण है कि निर्वाचन आयोग के अनेकों प्रयोग करने के बाद भी मतदान का प्रतिशत क्रमशः कम हो रहा है और मतदान बहुत सारे मतदाताओं को त्याज्य खाद्यान्न के समान हो जाता है। जब तक यह नियम नहीं बनेगा कि अगर कुल मतदाताओं का बड़ा हिस्सा जिसकी संख्या जीतने वाले से भी ज्यादा अगर होती है तो प्रत्याशियों में अधिक मत पाने वाले को विजयी न घोषित किया जाए और पुनः चुनाव कराये जाये। तब तक नोटा का प्रयोग न व्यावहारिक है न तार्किक है और न प्रभावी है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह ने नगर निगमों से लेकर ग्राम निर्वाचित ईकाई को लेकर एक अच्छा नियम बनाया था कि अगर किसी निर्वाचित अध्यक्ष या प्रतिनिधि के खिलाफ अविश्वास होता है, तो पहले खाली कुर्सी व भरी कुर्सी के बीच चुनाव कराया जायेगा और अगर खाली कुर्सी के पक्ष में अधिक मत आयेंगे तो निर्वाचित व्यक्ति के निर्वाचन को निरस्त मानकर दोबारा चुनाव होंगे। यह प्रयोग नोटा से बेहतर व लोकतांत्रिक प्रयोग था। हालांकि यह बात अलग है कि अन्य कारणों से श्री दिग्विजय सिंह जी की छवि ऐसी बन गई या बना दी गई कि उनके थोड़े बहुत अच्छे कामों में जिसमें एक यह था उसकी कोई चर्चा नहीं होती। हालांकि इसके लिये वे स्वतः भी जिम्मेदार हैं।

अगर व्यक्तियों व दलों के लिये यह व्यवस्था शुरू हो सके तो भारतीय लोकतंत्र के लिये कुछ अच्छे निष्कर्ष निकल सकते हैं। दलीय तानाशाही पर भी कुछ अंकुश लग सकता है। दलों के लिये यह व्यवस्था या कानून भी बनाया जा सकता है कि जिन दलों को अस्वीकार करने वालों की संख्या देश के मतदान करने वाले कुल मतदाताओं की 25-30 प्रतिशत से ज्यादा हो उन दलों की मान्यता भी समाप्त हो।

मैं जानता हूं कि यह दोनों ही विकल्प यद्यपि आदर्श विकल्प हैं परंतु जो सत्ता या व्यवस्था अल्पमत में टिकी है या जो दलों के तानाशाही है वे इसे लागू नहीं करेंगे। यह तो उन्हें अपने आप में आत्मघाती होगा और अंततरू यह निर्णय भी जनता को ही करना होगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में एक और मतत्वपूर्ण घटना घटी है वह यह कि मप्र के इंदौर लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी व मप्र के दूसरे नंबर की पार्टी के कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी ने नाम वापिसी के दिन अपना नाम वापिस ले लिया और वह भाजपा के साथ चले गये। हालांकि ऐसी दुर्घटनाओं का शिकार कांग्रेस पार्टी पूर्व में भी होती रही है और ऐसी दुर्घटनाओं को कांग्रेस पार्टी खुद भी करती रही है या कहा जाए कि उनकी शुरुआत करती कांग्रेस ने ही की थी। जब 1987-88 में स्व. श्री अर्जुन सिंह पंजाब के राज्यपाल के काम को पूरा करने के बाद वापिस मप्र आये तो उन्होंने खरसिया विधानसभा जो वर्तमान में छग में है, से उपचुनाव लड़ने का निर्णय किया था। और उन्होंने आज की जनता पार्टी के घोषित और नामांकन करने वाले प्रत्याशी को अपने पक्ष में कर लिया। परंतु उस समय खरसिया की जनता और मतदाताओं में इतनी कठोर प्रतिकिया व्यक्त हुई तथा सभी विरोधी राजनैतिक दल एकजुट हुये और अंततः कांग्रेस का दांव असफल हो गया। फिर श्री दिलीप सिंह जूदेव को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया और अर्जुन सिंह बड़े मुश्किल से जीत कर आ सके। ऐसी घटना मप्र के भिण्ड में भी हुई थी, जब श्री भागीरथ प्रसाद जो कांग्रेस के नामजद प्रत्याशी घोषित हुये थे, घोषणा के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का टिकिट ले लिया व जीत भी गये। इस घटना के दो पहलू हैं, एक तो जो राजनैतिक विकृतियों का प्रयोग कांग्रेस ने अपने सार्वदेशिक सत्ताकाल में शुरू किया था वह अब उन्हीं की गले की फाँस बन गया है और स्वतः कांग्रेस इन घटनाओं को जिनकी शुरुआत उसने ही शुरू की थी अब स्वतः शिकार हो रही है। हमारे देश का जनमत भी अद्भुत है, जो बात तो लोकतंत्र, नीति सिद्धांत व ईमानदारी की करता है परंतु वोट सिद्धांतहीनता, बेईमानी, भ्रष्टाचार, दलबदल, अनैतिकता को करता है। इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी श्री अक्षय कांति बम के नाम वापिसी के बाद कांग्रेस के सामने यह प्रश्न था कि वह उसके दल की ओर से जो विकल्प वाले डमी प्रत्याशी हैं उन्हें प्रत्याशी घोषित करे या अन्य को समर्थन करे। खजुराहो संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस ऐसे ही षड्यंत्र का शिकार हुई जहां पर गठबंधन में समाजवादी पार्टी को छोड़ी गई सीट खजुराहो में सपा की मीरा यादव प्रत्याशी थीं जो समीप के ही मप्र के निवाड़ी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुकी थीं। वे सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण की पत्नी हैं और मप्र तथा उप्र से सटी हुई सीमा पर कुछ विधानसभा क्षेत्रों में यादव मतदाताओं की या तो बहुलता है या फिर प्रभावी शक्ति या संख्या है और इसी उम्मीद में कांग्रेस ने खजुराहो संसदीय क्षेत्र समाजवादी पार्टी को गठबंधन में छोड़ा था परंतु श्रीमती मीरा यादव का नामांकन ही निरस्त हो गया। सपा का कहना है कि यह नामांकन भाजपा के अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा की जीत को आसान बनाने के लिये निर्वाचन अधिकारी से निरस्त कराया गया। निर्वाचन अधिकारी का कहना है कि मैंने मेडम से कहा कि आपके हस्ताक्षर नहीं हैं। पर मेडम यह कहते हुये निकल गई कि मैं प्रेस वालों से बात कर वापिस आती हूं। इसकी असलियत तो तब सामने आयेगी जब अगर खजुराहो के निर्वाचन को लेकर सपा प्रत्याशी उच्च न्यायालय में कोई याचिका करे तथा उसके क्या परिणाम आते हैं। परंतु खजुराहो संसदीय क्षेत्र के आम मतदाताओं में यह आम राय निकल कर आ रही है कि कोई गुप्त समझौता भाजपा-सपा में ऊपर लेवल पर हुआ है। अब खजुराहो संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस ने आरएसपी के प्रत्याशी श्री प्रजापति को अपना समर्थन दिया है। श्री प्रजापति अभी 2023 में विधानसभा का चुनाव भी लड़े थे और कुछ सैकड़ा वोट ही उन्हें मिल पाये थे। कांग्रेस पार्टी स्वतरू भी समझौता करके धोखा देने का काम करने की अभ्यस्त है। 2018 के विधानसभा चुनाव में इसी टीकमगढ़ जिले के जतारा विधानसभा क्षेत्र से श्री राहुल गांधी के स्व. गुरु शरद यादव की पार्टी को जतारा सीट छोड़ी गई थी। श्री शरद यादव की पार्टी से श्री विक्रम चौधरी प्रत्याशी थे और प्रचार में श्री राहुल गांधी व शरद यादव के साथ-साथ फोटो वाले पोस्टर लगे थे, परंतु उसके पहले के चुनाव में जो कांग्रेस के प्रत्याशी थे, जो कुछ वोटों से हारे थे वह कांग्रेस के निर्णय के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी बनकर खड़े हो गये। वह नं. 2 पर रहे और राहुल गांधी के स्व. गुरु की पार्टी व प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई। सारे कांग्रेस के लोगों ने निर्दलीय कांग्रेस प्रत्याशी का समर्थन किया। क्या यह बगैर किसी इशारे या ऊपरी निर्णय के संभव था।

इंदौर में नोटा के पक्ष में कांग्रेस अपील का परिणाम जब आयेगा तब मालूम होगा परंतु कांग्रेस के इस निर्णय से कांग्रेस में अंतर विरोधियों व भितरघातियों के लिये अब एक नया मार्ग मिल गया है। यह निर्णय तो कांग्रेस का अधिकृत निर्णय था जो शायद केन्द्रीय पार्टी के अनुमोदन से लिया गया। परंतु यह भविष्य में कांग्रेस को परेशानियों का कारण बनेगा। शायद कांग्रेस को वर्तमान नेतृत्व के लोग अपनी पार्टी के ढांचे व उसके चरित्र स्वभाव को नहीं समझते।

अब नोटा भविष्य में उनके असंतुष्टों को एक स्वीकृत विकल्प बनकर उभरेगा जो उनकी पार्टी के सिकुड़ते जनाधार को और क्षति पहुंचा सकता है।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जरूरी है आतंकवाद के फन को कुचलना

जम्मू कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है, देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी वाहन में आतंकी निर्दोषों के लहू से होली खेलकर आनंदित होते रहे हैं। पिछले कई वर्षों से देश आतंकवाद का यह खामियाजा भुगत रहा है, जिसके कारण अभी तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं, अनेक परिवार तबाह हो चुके हैं, बच्चे अनाथ हुए हैं, बहुत सी माएं-बहनें विधवा हो गई तो कहीं बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी इसी आतंकवाद ने छीन ली। दरअसल आतंकवादी ऐसी वहशी घटनाओं को अंजाम देकर और किसी भी तरह का खूनखराबा करके आम लोगों के मन में भय पैदा करना चाहते हैं। उनके ऐसे घिनौने कृत्यों से न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवार एक ही झटके में बर्बाद हो जाते हैं। आतंकवाद रूपी इसी भयानक समस्या से निपटने के लिए भारत द्वारा 21 मई का दिन 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। यह दिवस वास्तव में उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाई और यह उन हजारों सैनिकों के बलिदान का सम्मान भी करता है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की आधिकारिक घोषणा 21 मई 1991 को भारत के सातवें प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद की गई थी, जो लिट्टे के एक आतंकवादी अभियान के दौरान तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में मारे गए थे। राजीव गांधी श्रीपेरंबदूर में एक रैली को संबोधित करने गए थे, जहां लिट्टे से संबंधित एक महिला आतंकी अपने कपड़ों में विस्फोटक छिपाकर उनके पैर छूने के बहाने नीचे झुकी तो जबरदस्त बम धमाके में राजीव गांधी सहित करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी। राजीव गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन वी.पी. सिंह सरकार द्वारा 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिवस को मनाने का अहम उद्देश्य यही है कि देश में आतंकवाद, हिंसा के खतरे और उनके समाज, लोगों तथा देश पर पड़ने वाले खतरनाक असर के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। इस दिन सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों तथा अन्य संस्थानों में आतंकवाद विरोधी शपथ यही दिलाई जाती है कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते है तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम रखने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं।

देश में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार के सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, उनके चलते देशभर में आतंकी घटनाओं में कमी दर्ज की जा रही है लेकिन विशेषकर जम्मू कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान के पाले-पोसे भाड़े के टट्टू मासूम लोगों के खून से होली खेलने को लालायित रहते हैं। हालांकि बीते कुछ वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव यही है कि सुरक्षा बलों के हमारे जांबाज लगभग आए दिन, शोपियां हो या कुपवाड़ा अथवा घाटी का अन्य कोई क्षेत्र, कहीं न कहीं मुठभेड़ों में दुर्दान्त आतंकियों को ढ़ेर कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सुरक्षा बलों द्वारा सैंकड़ों कुख्यात आतंकियों को कुत्ते की मौत मारा जा चुका है। आतंकियों के खिलाफ चल रहे सुरक्षा बलों के अभियान के चलते इस वर्ष भी अब तक दर्जनों आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें कुछ विदेशी आतंकी भी शामिल थे। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद से घाटी में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में सर्वाधिक आतंकवादी मारे गए हैं। हालांकि शोपियां, कुलगाम, पुलवामा जैसे क्षेत्रों में आतंकी समूहों द्वारा स्थानीय युवकों की भर्ती के मामले भी सामने आते रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा मुठभेड़ें भी यहीं हुई। सीआरपीएफ के अनुसार जम्मू कश्मीर में इस समय 91 आतंकी सक्रिय हैं लेकिन सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण पिछले कुछ समय में एनकाउंटर में कई आतंकियों का सफाया किया गया तथा एलओसी के पास घुसपैठ की दर्जनभर कोशिशें भी नाकाम की गईं। जम्मू कश्मीर में युवाओं के आतंकी संगठनों में भर्ती का मुद्दा सुरक्षा बलों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा है लेकिन राहत की बात यह है कि युवाओं को आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करने के चलते आतंकी संगठनों में स्थानीय स्तर पर अब भर्तियां काफी कम हो रही हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठनों में स्थानीय लोगों की भर्ती बीते वर्ष उससे पहले के वर्षों के मुकाबले बहुत कम हुई यानी घाटी में स्थानीय लोगों का झुकाव आतंकी संगठनों की ओर कम हो रहा है और इसका सीधा सा अर्थ है कि जम्मू कश्मीर में भी अब आतंकवादियों की कमर तोड़ने में सफलता मिल रही है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक दुश्मन की ओर से संघर्ष विराम के उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिश या किसी अन्य दुस्साहसिक प्रयास का कड़ाई से जवाब दिया जा रहा है। वैसे सैन्य अधिकारियों का स्पष्ट तौर पर कहना है कि आतंकवाद रोधी सख्त अभियान तब तक पूरी ताकत से चलेगा, जब तक कि घाटी में सक्रिय तमाम आतंकवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देते या मार नहीं दिए जाते। अधिकारियों के मुताबिक शांति के फायदे लोगों तक पहुंचने से वे अब शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। बहरहाल, देश के कोने-कोने में लोगों को इस दिशा में जागरूक करना ही समय की सबसे बड़ी मांग है कि आतंकवादी संगठनों के दुष्कृत्यों से लोगों के जान-माल तथा समाज का कितना बड़ा नुकसान होता है और अब आतंकवाद के फन को कुचलने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने ही होंगे।

राह कौन सी जाऊं मैं?

इस समय पूरे देश में लोकसभा चुनावों के कारण चुनावी माहौल बना हुआ है। आम आदमी हो, मतदाता, चंदादाता, सुखदाता, दुखदाता या आश्वासन दाता, आज हर आदमी एक ही रंग में रंगा हुआ है, वह रंग है - चुनावी रंग।

वैसे तो यह रंग हर पाँच वर्ष में आता है, परन्तु भारतीय राजनैतिक परम्परा में छात्रसंघ, पंचायत, नगरपालिका, नगरनिगम से लेकर विधानसभा तक के प्रतिनिधियों का चुनाव लोकतंत्रात्मक तरीके से

कटाक्ष

कमल किशोर दुबे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

होने के कारण यह चुनावी उत्सव साल में एक बार अवश्य ही आता है। किसी-किसी वर्ष तो यह साल में दो-तीन बार भी आ जाता है। इस सबके बावजूद इस बार का चुनाव उत्सव कुछ अलग ही रंग में रंगा हुआ है। यह रंग राजनीति से भी अलग है-'एक दूसरे पर कीचड़ उछालने का', एक दूसरे को नीचा दिखाने का और अपने दल या स्वयं को महान सिद्ध करने का। इस बार लोकसभा चुनावों से मुख्य मुद्दे इस तरह गायब हैं जैसे गधे के सिर से सींग। हाँ, इस दौरान लोगों के बयान ही तीर, तलवार, बरछी, बल्लम का काम कर रहे हैं। आजकल हर पार्टी, हर एक दल में ही बोलवीरों का बोलबाला है। यहाँ झूठे की वाह! वाह!! और सच्चे का मुँह काला है।

इस बोलवीर प्रदर्शन या प्रतियोगिता में असल मुद्दे चुनावी परिदृश्य से पूरी तरह विलुप्त हो चुके हैं। आज देश की सबसे पुरानी पार्टी हो या सबसे बड़ी पार्टी या छुटभैये क्षेत्रीय दल एक दूसरे की छीछालेदर करने में इस तरह मशगूल हैं कि मतदाता को इस बात की भनक ही नहीं लगने दे रहे कि केन्द्र के चुनाव कभी मुद्दों पर आधारित भी हुआ करते थे।

आज आन्तरिक सुरक्षा या कानून व्यवस्था का मुद्दा हो या अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का इसे कोई तवज्जो नहीं दे रहा। देश में संसाधनों के विकास की बात हो या सामाजिक सौहार्द्र की, इस पर कोई नेता, कोई राजनैतिक दल चर्चा करने को ही तैयार नहीं है। शिक्षा, रोजगार, जनस्वास्थ्य, विदेशनीति, वित्त प्रबंधन जैसे ज्वलंत विषय चुनावी परिदृश्य से पूरी तरह से गायब हो चुके हैं। इसका एक सबसे बड़ा कारण मीडिया को भी जाता है, जो अपनी टीआरपी बढ़ाने के चक्कर में नेताओं को घनचक्कर देकर खुद वास्तविक मुद्दों से रफूचक्कर हो गया है। टीवी चैनलों पर दिन-रात मुर्गों की लड़ाई या सांडो की शक्ति प्रतियोगिता की तर्ज पर राजनैतिक दलों के प्रवक्ताओं को एक दूसरे की बखिया उधेड़ते या निर्वस्त्र करने पर आमादा देखा जा सकता है। देश का आम नागरिक भी आज इस दिशाविहीन, लक्ष्यहीन बयानबाजी में अपनी सुध-बुध खो चुका है? वह इन बयानवीरों के सुनहरे स्वप्नशॉल या ख्वाबी-पुलावों में यह तय ही नहीं कर पा रहा कि राह कौन-सी जाऊँ मैं? मैं इसका उद्धार करूँ या उसका बटन दबाऊँ मैं?

आज, आवश्यकता इस बात की है कि चुनावों की रणनीति शिक्षा, स्वास्थ्य, संसाधनों का विकास, कानून व्यवस्था, आन्तरिक एवं बाह्य सुरक्षा जैसे मुद्दों पर आधारित होना चाहिए, परन्तु यह सब अब घोषणा पत्र में भी समाहित नहीं होते। यदि पार्टी घोषणा पत्र में शामिल भी कर ले, तो नेताओं की सोच और इरादों में इन्हें कोई स्थान नहीं मिल पाता है। आज राजनीति में जिस मर्यादाहीन वाक प्रतियोगिता का बोलबाला हो गया है, इससे युवा पीढ़ी और अधिक उच्छंखल और सिद्धांतहीन भविष्य की ओर अग्रसर होगी इसमें कोई संदेह नहीं है। और... राजनीति का यह दौर कहाँ तक जाएगा यह तो पार्टी के कर्ता-धर्ता भी नहीं जानते ! काश! नेता इसे समझते! यदि नेता नहीं समझ रहे तो मतदाता उन्हें यह याद दिला पाते कि जनता को बरगलाने और दिगभ्रमित करने की बजाय मुद्दों की बात करो, वरना नौ-दो ग्यारह हो जाओ, नहीं तो हम छठी का दूध याद दिला देंगे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सरप्राइज : टेम्पो हाई है...तस्वीर नहीं बनती

चार्वाक के अनुसार सुख की कामना करना किसी भी व्यक्ति का स्वाभाविक धर्म है। चार्वाक दर्शन में यों ही नहीं लिखा है-'यावज्जीवेत सुखं जीवेत, ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत' अर्थात् जब तक जीवन है सुखों का उपभोग कर लेना चाहिए। सुखद है कि चार्वाक दर्शन को अमृतकाल में वांछित महत्व मिला। भौतिकतावाद के दौर में हम किसी से पीछे नहीं हैं। दुरावस्था के जंजाल से निकल कर व्यवस्था का मायाजाल बनाकर पांचवी अर्थव्यवस्था यों ही नहीं बन गए हैं। जो बौने थे, वे भी तन गए हैं। कोविड 19 नामक उत्पात को रोकने के लिए विदेश से 70 हजार करोड़ का कर्ज जनहित में लिया गया। तब आशंका नहीं थी कि इसे याद किया जाएगा। बड़े लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये माफ करने के लिए लोग चिल्ला रहे हैं। समझना चाहिए कि अपनी अर्थव्यवस्था में ये राशि चिल्लर से ज्यादा नहीं है। फिर भी कर्ज माफी और ऋण बाकी का नहीं है गिला। पुराना है ये सिलसिला। कृपया गंभीरता से नहीं दें इसका सिला।

फिर भी मोती भाई को पूंजीवाद की हितैषी कहा जाता है। इतना ज्यादा और बार-बार, नहीं सहा जाता है। पैसा कर्ज में आता है और राहत में जाता है। इसका नहीं होता वही खाता है। कोई इससे पीता है और कोई इसी से खाता-खिलाता है। ऐसा आदान प्रदान 'कांफिडेंशियल' होता है। इसके 'कनफेशन' से 'क्रेडेंशियल' पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। 'कनफ्यूजन' और 'कंट्रोवर्सी'-की उत्पत्ति होती है। कुछ लोग इस पर 'कांफ्रेंस' कर 'क्रेडिबिलिटी' को 'लायबिलिटी' में बदल देते हैं। जैसे कोरोना की दवाई का मामला था। लोगों की भलाई की मामला था। इलेक्टोरल बॉड में धन लिया। देश के लोगों का मन लिया। अब सामने आ रही इसकी कहानी। हार्टअटैक से मर रही जवानी। इसलिए ठाना है। गुरुदेव जैसा फोटो नहीं छपवाना है। इस विचार को दैनिक कभी-कभी में प्रमुखता से प्रकाशित कर प्रचारित करने की आवश्यकता है। दिमाग लगाने की जरूरत नहीं है कि झूठे, बेईमान और धोखेबाज व्यक्ति में अंतर होता है। इसे जानने-पहचानने में दसियों साल लग जाते हैं।

मोती भाई इसी दिशा में अग्रसर हैं पर दो लड़के उनकी नाक में दम कर रहे हैं। अगर एक लिखकर देने की बात करता है तो दूसरा सामाजिक मुद्दों के आधार पर घात करता है। इसलिए वह उनकी बातें अधिक अपनी कम कर रहे थे। अचानक न जाने क्यों उन्होंने कह दिया कि टेम्पो हाई है। बताया कि इन्हीं टेम्पो से धनकुबेरों की बोरों में भर-भर कर काली कमाई आई है। कह दिया कि चोर-चोर मौसेरे भाई हैं। इससे जन-जन का मन परिवर्तन हो गया है। पहले लोग सोचते थे वे जिद्दी क्यों है। अब जानना चाहते हैं कि इन दिनों पिद्दी क्यों हैं। जो शब्दों में गिर रहे हैं। मारे-मारे फिर रहे हैं। क्या, वे बुरे की आशंका में दिन गिन रहे हैं। मुमकिन के आगे कुछ तो ऐसा है जो कर रहा है उनके लिए किंतु, परंतु, लेकिन...। हो सकता है कि मन ही मन कह रहे हों- 'तस्वीर बनाता हूं तस्वीर नहीं बनती...' अब अप्रत्याशित रूप से बाहर आया तीसरा लड़का पहले पहल मंदिर गया। जल्दी ही वह घूमेगा-शराबी की तरह झूमेगा तो लोग कह सकते हैं कि देखो छा गया। क्या पता कुछ को उसकी मासूमियत और भावनात्मक किस्सा भा जाए। कहने लगें 'आप जैसा कोई मेरी जिंदगी में आए तो बात बन जाए...।'

संयोग है कि इस बार अक्षय तृतीया पर मांगलिक कार्य नहीं हुए। नक्षत्रों की यह स्थिति 23 साल बाद निर्मित हुई है। इसका कोई मतलब तो होगा। इसलिए हताश-निराश मत होइए। उम्मीद से आकाश को देखिए। परिवार के हाथ में ही पतवार होना चाहिए। अपनी अक्ल पर भी एतबार होना चाहिए। फिलहाल नहीं लग रहा कि उत्तराधिकार पर संघर्ष विराम होगा। क्या चाचा-भतीजों की तरह बुआ-भतीजे में भी संग्राम होगा। संभव है कि चुनाव के बाद इसका कोई न कोई अंजाम होगा। बुआ को अपने भाषण याद करना चाहिए। घर के अंदर ही नहीं, हद में भी रहना चाहिए। माया की महिमा के इस युग में आनंद की बात यह है कि अपरिपक्व बालक भतीजा ही नहीं हो सकता है, परिपक्व अंकल भी इसे बता सकते हैं। चमड़ी के रंग से जाति की पहचान बताने वाले पहले कम नहीं थे। अब देश की शिनाख्त करने का तरीका बताया जा रहा है। भारत के चारों कोनों का ब्यौरा दिया है। चुनाव के समय में दिमागी दौरा दिया है। चर्चा से दुनिया में बजा डंका। लगने लगी लंका। बढ़ गई उनकी धड़कन और आशंका।

बाहर गुजर-बसर करने वाले अंकल ने अंकल ने सत्यनारायण की कथा सुनाई। कथा का कारण नहीं बताया। फिर भी प्रसाद नहीं मिला, कुर्सी ही गंवाई। अंकल ने नस्ली बात कही तो लोकल अंकल को सौतिया ढाह हुआ। आनन-फानन उनके अलौकिक ज्ञान का गेट खुल गया। 'दुर्घटना से देर भली' की चिंता बगैर उन्होंने पहली बार 'दाल में काला' और काले धन के मालिक-मुख्तारों के नाम और टेम्पो के गंतव्य का रहस्य खोलकर सरप्राइज दे दिया। इसका मतलब क्या उन्होंने समझ लिया है बच्चे दो ही अच्छे होते हैं। जो नहीं जानते, कान के कच्चे होते हैं। तीन तिगाड़ा मतलब काम बिगाड़ा। इसलिए अपनी वाणी से दानी का बजा दिया नगाड़ा। पीछे से लगातार कोई गुनगुनाए जा रहा है- 'नायक नहीं खलनायक हूँ मैं...' फिर सुई पटक सन्नाटा क्यों है भाई। क्या इसको ही बोलते हैं 'इधर कुआं उधर खाई'। इस बीच एक और अंकल पीछे नहीं रहे। उनके बारे में कहावत है 'तूने मारी एंट्री यार दिल में बजी घंटी यार...'। लोगों को इंतजार था। वह पाकिस्तान पर बोलेंगे जरूर। खाली हैं तो मुंह खोलेंगे मंगरूर। पर असल बात यह कि इन पर 'शेम-शेम' कहने से पहले अपने यहां के 'सेम-सेम' को भी दिल से याद करिए।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

पर्यावरण में मददगार न्यायपालिका की अनूठी पहल

इन दिनों न्यायपालिका में एक अनूठी पहल हुई है। इन दिनों कमतर कानूनी अपराधों को कम्युनिटी सर्विस के द्वारा निर्वाहित किया जाने लगा है। इनमें भी कुछ खास अनूठी पहल यह है कि देश के कई उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों ने भी इन दिनों ऐसे मामलों में लोगों को पेड़ लगाने की सजा सुनाई है। यह पहल पेड़ों की कम होती संख्या, मौसम में परिवर्तन, वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी आदि परेशानियों से बचने में भी मददगार होगी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एफआईआर रद्द करने के लिए ''स्थानीय उद्यानों में पेड़ों के पचास पौधे लगाएं, जिनकी ऊंचाई तीन फीट तक हो। यह विशिष्ट शर्त लगाई। इस अनूठे निर्देश में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने पक्षों के बीच एक समझौते के बाद उनके खिलाफ दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) को रद्द करने की शर्त के रूप में एक परिवार को बगीचों में पचास पौधे लगाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की एकल पीठ ने आदेश दिया कि आरोपी परिवार के सदस्यों को सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले आवासीय क्षेत्र में तीन फीट तक के पौधे लगाने चाहिए। वहां मूल रूप से प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

दिल्ली न्यायालय ने निर्दिष्ट किया कि लगाए गए पौधों की तस्वीरें, जांच अधिकारी या स्टेशन हाउस अधिकारी की रिपोर्ट के साथ, आठ सप्ताह के भीतर उसे प्रस्तुत की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, पौधों और पेड़ों के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। अदालत ने आगे कहा कि वृक्षारोपण के निर्देश का पालन करने में विफलता के परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता लागत राशि 25 हजार जमा करने के लिए उत्तरदायी होंगे। इसके अलावा, पौधों/पेड़ों का रखरखाव संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत स्वेच्छा से चोट पहुंचाने, एक महिला की शील भंग करने, घर में अतिक्रमण, आपराधिक धमकी और सामान्य इरादे सहित आरोपों से उपजी थी। शिकायतकर्ता ने उसके पड़ोसियों पर ईंटों और लोहे की छड़ से हमला करने के साथ-साथ उसके साथ अनुचित तरीके से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। उसने यह भी आरोप लगाया था कि उसके भाई और पिता पर भी हमला किया गया, जब उन्होंने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया। याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि मामले को 15 फरवरी, 2024 के समझौता ज्ञापन के संदर्भ में उभयपक्षों, जो पड़ोसी हैं, के बीच सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि चोटों की प्रकृति सरल मानी जाती है। राज्य के लिए अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कहा कि पक्षों के बीच सौहार्द्रपूर्ण समझौते को देखते हुए, संबंधित एफआईआर को रद्द करने के मामले में राज्य को कोई आपत्ति नहीं है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि मानसिक भ्रष्टता या हत्या, बलात्कार और डकैती जैसे अपराधों से जुड़े जघन्य और गंभीर अपराधों को समझौते के बावजुद रद्द नहीं किया जा सकता है। ''हालांकि, गंभीर अपराधों, छोटी घटनाओं या अपराधों से अलग, जो बड़े पैमाने पर समाज को प्रभावित नहीं करते हैं या प्रकृति में व्यक्तिगत हैं, धारा 482 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अंतर्निहित शक्तियों के प्रयोग के रूप में एक अलग आधार पर आधारित है। पक्षों के बीच समझौते के मद्देनजर, इस तरह के मामले में दोषसिद्ध की संभावना कम है। कार्यवाही जारी रखने से आरोपी पर गंभीर उत्पीड़न और पूर्वाग्रह होना संभव है। उच्च न्यायालय ने कहा कि पक्ष पड़ोसी होने के नाते कार्यवाही को समाप्त करने का इरादा रखते हैं। समझौता पक्षों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देगा। चूंकि मामले को पक्षों के बीच सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, इसलिए मामले को लंबित रखने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। कार्यवाही जारी रखना और कुछ नहीं बल्कि न्यायालय की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। नतीजतन, प्रथम सूचना रिपोर्ट आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज और उससे उत्पन्न होने वाली कार्यवाही को रद्द कर दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की सजा किसी को सुनाई गई हो। इससे पहले भी उच्चतम न्यायालय भी डॉ. सोलेमन के मामले में यही ठहरा चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक 32 वर्षीय डॉक्टर को 16 साल की उम्र में हत्या का प्रयास करने की सजा के रूप में अगले एक साल सौ पेड़ लगाने का आदेष दिया है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में प्रैक्टिस करने वाले इस डॉक्टर को अपराध के लिए तीन साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सजा की पुष्टि की। लेकिन चीजों ने एक अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब सोलेमन ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कहा कि अगस्त 2004 में घटना के समय वह नाबालिग था।

डॉक्टर की याचिका से परेशान होकर, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की पीठ ने 25 फरवरी को जिला और सत्र न्यायाधीश, बरहमपुर, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के सुलेमान की कहानी की जांच करने के लिए कहा। जिला न्यायाधीश ने पुष्टि की कि डॉक्टर वास्तव में अपराध की तारीख को 16 साल सात महीने और 28 दिन का नाबालिग था। न्यायाधीश की रिपोर्ट में कहा गया है कि सोलेमन का जन्म 30 फरवरी, 1987 को हुआ था। उनके स्कूल के रिकॉर्ड उनकी उम्र के सबूत को मजबूत करते हैं। अदालत ने कहा कि कानून के तहत डॉक्टर को आदर्श रूप से कानूनी अर्थ में बच्चा माना जाएगा। न्यायालय ने माना कि फिर से, 32 वर्षीय डॉक्टर को अब किशोर बोर्ड के सामने भेजने से भी कोई फायदा नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने सुझाव दिया कि 'इसके बजाय, याचिकाकर्ता, जो अब 32 वर्ष की आयु के एक पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी हैं, को सामुदायिक सेवा करने का निर्देश देकर न्याय के उद्देश्य को पूरा किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय के सुझाव का उत्तर प्रदेश राज्य ने समर्थन किया। उसने पेड़ लगाने को डॉक्टर के लिए एक उपयुक्त सजा पाया। राज्य के वकील ने सुझाव दिया कि सामुदायिक सेवा करने के इस दायित्व को याचिकाकर्ता को पेड़ लगाने के निर्देश से पूरा किया जा सकता है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता के वकील द्वारा दिए गए सुझाव को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता को एक साल की अवधि के भीतर सौ पेड़ लगाने का निर्देश दिए।

यह भी जानना दिलचस्प है कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद पाठक के द्वारा भी कुछ दिनों पहले एक मामले में जमानत इस शर्त पर दी गई थी कि वह दस पेड़ लगायेंगे। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ ने हत्या के प्रयास के एक मामले में एक आरोपी को पेड़ लगाने की शर्त पर जमानत दी। न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने रिंकु शर्मा नामक आरोपी को एक लाख रूपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। हाल ही में 13 अप्रैल के आदेश में, उच्च न्यायालय ने शर्मा को दस पौधे-फलों के पेड़ या नीम या पीपल लगाने और उनकी देखभाल करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी अपनी पसंद के स्थान पर पौधे लगा सकता है, लेकिन वह उन्हें अपने खर्च पर सुरक्षित करेगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि अभियुक्त 30 दिनों के भीतर पौधों की तस्वीरें पेश करेंगे।

उन्हें अगले छह महीनों के दौरान हर तीन महीने में पेड़ों के स्वास्थ्य के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा गया था। उच्च न्यायालय ने चेतावनी दी कि उसकी ओर से कोई भी चूक उसे जमानत के लाभ से वंचित कर सकती है। न्यायाधीश ने कहा कि यह शर्त इसलिए रखी गई थी। क्योंकि, आरोपी ने स्वेच्छा से सामुदायिक सेवा करने की इच्छा व्यक्त की थी। न्यायमूर्ति आनंद पाठक पूर्व में अपने कई फैसलों में इसी प्रकार वृक्षारोपण तथा सामुदायिक सेवा के आदेश दे चुके हैं। न्यायपालिका द्वारा इस प्रकार के आदेश दिए जाना न केवल सराहनीय है बल्कि पर्यावरण एवं सामुदायिक सेवा के क्षेत्र के लिये भी बहुत ही अनूठी एवं शानदार पहल है। साथ ही छोटे अपराध करने वाले व्यक्तियों को सुधारने का एक अभिनव अवसर भी है।

अजूबा

कर्मयोगी

(वरिष्ठ पत्रकार और लेखक)

नेकचंद जैसी अमूर्त दुनिया बसाने चले पोली सिंह

चंडीगढ़ का रॉक गार्डन एक अनोखी कृति है। अब इसी तरह का दूसरा गार्डन पॉली सिंह विकसित कर रहे हैं। वे पेशे से उद्यमी हैं और अपनी फैक्ट्री से निकले कबाड़ में आकृतियां खोजा करते थे। उनका यह शौक धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि उनकी बनाई कृतियों को चंडीगढ़ प्रशासन ने रास्तों पर लगाना शुरू किया। आज उनकी पहचान देश के साथ विदेश में भी बन गई।

हम कई वस्तुओं को बेकार समझते हैं। लेकिन, इन्हीं वस्तुओं को इकट्ठा करके जीवंत रूप दे देना एक अनूठी कला है। चंडीगढ़ के एक इंजीनियर प्रीतपाल सिंह मथारू ने अनुपयोगी स्क्रैप को उपयोगी कृतियों में बदलने के हुनर से सबको चौंका दिया। शुरुआत में चंडीगढ़ के इंडस्ट्रियल में स्थित फैक्ट्री में अनुपयोगी स्क्रैप के उपयोग का विचार उनके मन में आया। धीरे-धीरे शौक जुनून में बदलता गया। आज वे सैकड़ों कृतियां बना चुके हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 48 के पार्क में पहले उनके स्क्रैप से बने दो रोबोट चंडीगढ़ प्रशासन ने लगाए। फिर हवाई अड्डे के रास्ते में एक धातु स्कैब का बना मुर्गा लगातार लोगों का ध्यान खींचता रहा। इसके बाद चंडीगढ़ क्लब व लुधियाना में कुछ विशाल आकृतियां लगाई गई।

सही मायनों में इंजीनियर प्रीतपाल सिंह बेहद रचनात्मक सोच के व्यक्ति हैं। वे अपनी फैक्ट्री में विभिन्न लोहे की वस्तुओं के निर्माण से बचे स्क्रैब को देखते रहे हैं, जिसे बाद में कबाड़ी को बेच दिया जाता था। लेकिन, उस स्क्रैप में उन्हें कभी किसी सिर, नाक, कान या किसी रोबोट के शरीर के हिस्से नजर आते। पहले उन्होंने फैक्ट्री में बनी एक अलग कार्यशाला में छोटी-छोटी आकृतियां बनाना शुरू की। फिर धीरे-धीरे बड़ी आकृतियों को बनाने का सिलसिला शुरू हुआ। मित्रों में प्रीतपाल सिंह अपने उपनाम 'पोली' के रूप में जाने जाते हैं। जिसके चलते कालांतर उन्होंने इसे 'पॉलीबोट्स' नाम दिया।

दरअसल, चंडीगढ़ की एक अन्य पहचान नेकचंद का 'रॉक गार्डन' भी है। जिन्होंने अनुपयोगी सामान व पत्थरों से बस बोलने को तैयार कृतियाँ रचीं। अब उसी चंडीगढ़ के एक इंजीनियर प्रीतपाल सिंह ने वैसी ही तर्ज पर नई कृतियां रचकर चंडीगढ़ को आधुनिक शहर के रूप में नई पहचान देने की कोशिश की। जिसमें बाह्य अंतरिक्ष से आने वाले जीवों के स्वरूप व भविष्य की आकृतियों चेहरे शामिल हैं। वहीं शहर के पार्कों, सार्वजनिक स्थलों तथा घरों में सजाई जाने वाली आकृतियों के निर्माण की श्रृंखला बन गई है।

हकीकत में पोली सिंह के इस रचनात्मक कार्य की शुरुआत एक गैराज के शौक से हुई। पहली कृति वर्ष 2013 में बनाई गई। गैराज से निकलकर यह शौक बाद में कला प्रदर्शनियों तक पहुंचा। जब भी उन्हें समय मिलता वे इस जुनून में जुट जाते हैं। धीरे-धीरे कला समीक्षक भी उनकी कृतियों को सम्मान की दृष्टि से देखने लगे। पंजाब कला भवन में आयोजित क्रिएटिव कर्मा व विजुअल आर्ट प्रदर्शनी में कृतियां शामिल करने से वे उत्साहित हैं। वे कहते हैं कि इस कला को मान्यता मिलने से मेरा हौसला बढ़ है। उद्यमी पोली सिंह स्वीकारते हैं इस अनूठी कला को साकार रूप देने में उनकी फैक्ट्री का बड़ा योगदान है। जहां विभिन्न प्रकार के लोहे के टुकड़े व स्क्रैप उपलब्ध हुआ और उसे आकृति देने में वेल्डिंग व अन्य सुविधाएं काम आई। फैक्ट्री में इन बड़ी रचनाओं को आकर देने के लिये संसाधन व जगह मिल सकी। जिससे चंडीगढ़ को ये अनूठी कृतियां मिल सकी।

वे स्वीकारते हैं कि सोशल मीडिया ने उनके काम को देश-विदेश में पहचान दी है। कोई भी कृति को जब वे सोशल मीडिया माध्यमों पर डालते हैं तो लोगों व कला समीक्षकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलता है। पहचान के साथ मुझे उनका मार्गदर्शन भी मिलता है। भविष्य को लेकर इस रचनाधर्मी इंजीनियर की योजना है कि वे अधिक से अधिक पॉलीबोट बनाएं। उनकी अलग-अलग श्रृंखलाएं तैयार करें, जो बच्चों को नई कल्पनाशील दुनिया में ले जाए। साथ ही यह संदेश कि जिन चीजों को हम बेकार समझते हैं, उनमें भी बहुत कुछ होने की संभावना छिपी होती है। यानी 'नथिंग से समथिंग' की तलाश आवश्यकता एक रचनात्मक दृष्टि की होती है।

पुस्तक

सीमा जयंत भिसे

(लेखिका और समाज सेविका)

तीन भारतीय ग्रंथ 'यूनेस्को' में सूचीबद्ध

'यूनेस्को' के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में रामचरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को शामिल किया गया है। यह समावेशन भारत के लिए एक गौरव का क्षण है। इससे देश की समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत की पुष्टि होती है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों में एक कदम आगे बढ़ने का प्रतीक है।

यूनेस्को अर्थात् संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन है। यह शिक्षा, विज्ञान,संस्कृति, संचार और सूचना में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर शांति और सुरक्षा में योगदान देता है। यह मानवता के लिए उत्कृष्ट मूल्य मानी जाने वाली सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को पहचान, सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करती हैं। भारत में 42 विश्व धरोहर स्थल है। भारत के विभिन्न कालखंड और क्षेत्र से निकले इन साहित्यिक खजानों ने देश के सांस्कृतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। यह गहन ज्ञान और कलातिक शिक्षाएं विश्व की आने वाली पीढियां के लिए बनी रहेगी।

'यूनेस्को' द्वारा भारतीय ज्ञान,परम्परा की अनुपम कृति गोस्वामी तुलसीदास जी कृत श्रीरामचरितमानस, विष्णु शर्मा द्वारा लिखित पंचतंत्र और आचार्य आनंद वर्धन की पुस्तक 'सहृदयलोक लोकन' प्रसिद्ध ग्रंथ हैं जिन्हें 'यूनेस्को' ने विश्व स्मृति अभिलेख के रूप में सूचीबद्ध किया है। यह फैसला कुछ दिन पूर्व ही हुआ है। भारत के सांस्कृतिक विरासत के लिए यह ऐतिहासिक अवसर है, जो हमेशा के लिए सुरक्षित रहेगी। यह हमारे लिए गर्व और उत्साह का क्षण है।इससे हमारे समृद्ध साहित्य विरासत को नया आयाम मिला है। जिससे हमारी सांस्कृतिक धरोहर पहले से और अधिक मजबूत हुई है। इन तीनों ग्रंथों ने भारतीय संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है।

'रामचरित मानस' गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस ग्रंथ व्यावहारिक जीवन दर्शन को समेटे हुए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन की अमिट छाप भारतीयों के जीवन पर है। जो जनमानस का नायक है। राम भारत की आत्मा है। जीवन कैसे जिया जाए, रिश्ते-नाते कैसे हो जैसे सवालों का उत्तर हमें रामकथा के माध्यम से मिलता है। जो आदर्श का चरम बिंदु है।

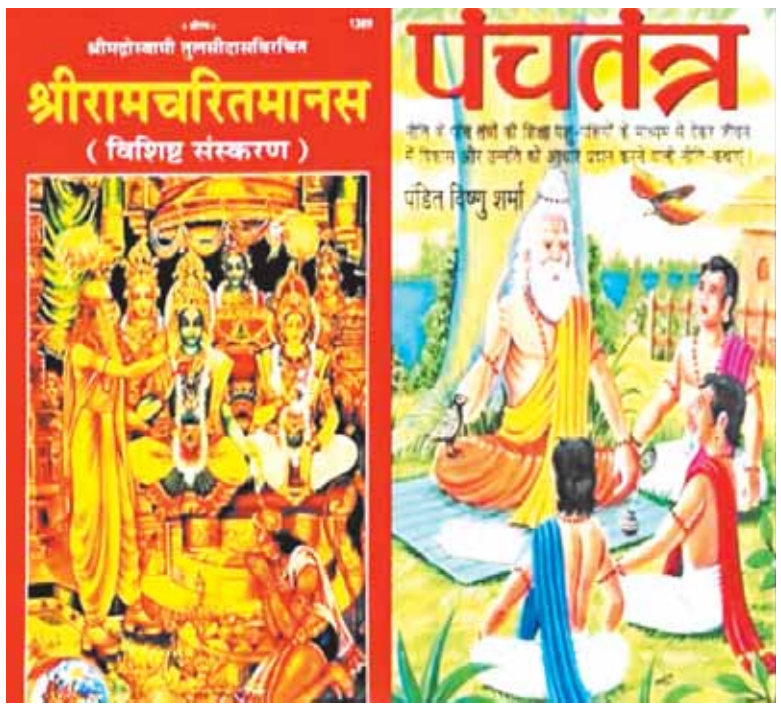

विष्णु दत्त शर्मा द्वारा संस्कृत में लिखित 'पंचतंत्र' प्राचीन और प्रसिद्ध कहानियों का संग्रह है। जिसमें विभिन्न प्राणियों के जीवन के प्रसंग, दृष्टांत माध्यम से लिखे है। जिससे हम हमारे जीवन को समृद्ध कैसे कर सकते हैं, यह समझाया है। हर कहानी के अंत में सीख दी गई है। हम प्राणियों के स्वभाव को तो तुरंत स्वीकार करते हैं,कि हाथी धीरे चलता है,वह शाकाहारी है। शेर का स्वभाव है कि वह भूख लगने पर शिकार करता है। लोमड़ी चालाक होती है। खरगोश डरपोक होता है। यह पुस्तक पढने से मनुष्य के अलग-अलग स्वभाव को स्वीकार करने की हमारी आदत बनती है, जो जीवन को आसान बनाती है।

'सहृदयलोक लोकन' आचार्य आनंद वर्धन द्वारा लिखित भारत की साहित्यिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रमाण है। यह काव्य शास्त्रों की शुरुआती रचनाओं में से एक है। यह ध्वनि मर्म को समझाते हैं। कविता किस बारे में है, उसके गुण दोष, वह किस रस के प्रति प्रेरित करती है। अर्थात् काफी महीन रूप से काव्य को समझती हैं। राष्ट्रीय कला केंद्र में कला विभाग के प्रमुख प्रो रमेश चंद्र गौड़ ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, एक निर्णायक भूमिका निभाई है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कमेटी फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (एमओडब्ल्यूसीएपी) की 10वीं बैठक के दौरान एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उलानबटार में हुई इस सभा में, सदस्य देशों के 38 प्रतिनिधि, 40 पर्यवेक्षकों और नामांकित व्यक्तियों के साथ एकत्र हुए। तीन भारतीय नामांकनों की वकालत करते हुए, आईजीएनसीए ने 'यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में उनका स्थान सुनिश्चित किया।

'यूनेस्को' का यह कदम हमारी साझा मानवता को आकार देने वाली विविध कथाओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों को पहचानने और सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इन साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों का सम्मान करके, समाज न केवल उनके रचनाकारों की रचनात्मक प्रतिभा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि उनका गहन ज्ञान और कालातीत शिक्षाएं भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें और उनकी जानकारियां बढ़ाती रहें।

रामचरित मानस, पंचतंत्र और 'सहृदयालोक लोकन' ऐसी कालजयी रचनाएं हैं जिन्होंने भारतीय साहित्य और संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है, देश के नैतिक ताने-बाने और कलात्मक अभिव्यक्तियों को आकार दिया है। इन साहित्यिक कृतियों ने समय और स्थान से परे जाकर भारत के भीतर और बाहर दोनों जगह पाठकों और कलाकारों पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

बैतूल की मिताली दियावार ने कॉस्ट्यूम डिजाइन में राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त किया कांस्य पदक

नई दिल्ली में आयोजित यशोभूमि एक्सपो में किया सम्मानित

बैतूल। बैतूल की मिताली दियावार ने कॉस्ट्यूम डिजाइन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक जीता है। नई दिल्ली के यशोभूमि एक्सपो में आयोजित एक समारोह में मिताली को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। मिताली ने देशभर के शीर्ष 10 कॉस्ट्यूम डिजाइनरों में अपनी जगह बनाई और फिर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में विजय प्राप्त करने वाले दो प्रतिभागियों को फ्रांस में सितंबर में अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। यह उनके करियर के लिए एक बड़ा अवसर साबित हो सकता है और उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

मिताली का चयन ऑनलाइन ट्रेंड सेकंड फेस में हुआ, जहां उन्होंने अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर उनके पिता भूपेश दियावार, माता मनीषा दियावार सहित सभी इष्ट मित्रों और परिजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। मिताली की इस उपलब्धि ने बैतूल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनके परिवार और मित्रों ने इस अवसर पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए गर्व और खुशी जताई है। मिताली की इस सफलता से प्रेरित होकर कई नवोदित डिज़ाइनर भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। मिताली की यह उपलब्धि निश्चित रूप से बैतूल और पूरे देश के लिए गर्व का विषय है और यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, समर्पण और रचनात्मकता से क्या हासिल किया जा सकता है।

मिताली की क्रिएटिविटी- मिताली की मां, मनीषा दियावार, ने बताया कि मिताली बचपन से ही बहुत क्रिएटिव रही है। छोटी उम्र से ही उसे डिजाइनिंग में रुचि थी। मनीषा दियावार ने कहा, मिताली हमेशा से नई चीजें बनाने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने में दिलचस्पी रखती थी। उसकी इसी क्रिएटिविटी ने उसे आज इस मुकाम तक पहुंचाया है।

अपना हुनर दिखाने का प्लेटफार्म है इंडिया स्किल - कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वाधान में द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा पांच दिवसीय इंडिया स्किल प्रतियोगिता की विगत बुधवार को शुरुआत हुई। उल्लेखनीय है कि इंडिया स्किल एक प्लेटफार्म है जहां पर अपना हुनर दिखा सकते हैं। लोगों को इंडिया स्किल प्रतियोगिता के बारे में जैसे जैसे जानकारी हो रही है वे इसमें हिस्सा ले रहे हैं। पहले कोविड में 26 राज्यों ने इसमें हिस्सा लिया था लेकिन अब 32 राज्यों के प्रतिभागी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। इंडिया स्किल किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना उसे जीतने का पहला कदम है।

बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बैतूल। दिनांक 14/10/2023 को फरियादिया निवासी आठनेर द्वारा उसकी नाबालिग लड़की को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में थाना आठनेर में रिपोर्ट लेख कराई थी। जिस पर अपराध क्र. 437/2023 धारा 363 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान दिनांक 26/10/2023 को अपहृत बालिका को दस्तयाब किया गया एवं पूछताछ दौरान आरोपी शहजाद पिता सलीम कुरैशी उम 23 साल निवासी आठनेर द्वारा घटना कारित करना पाये जाने पर, प्रकरण में धारा 366, 376, 368 भादवि एवं 51/6, 15/16 पॉक्सो एक्ट की धाराओं का इजाफा किया गया। घटना दिनांक के बाद से आरोपी की गिरफ्तारी हेतु (सात माह से) लगातार संभावित स्थानों पर तलाश पतारसी की जा रही थी। मुखबिर से आज दिनांक 20/05/2024 को आरोपी के आठनेर में होने की जानकारी लगने पर त्वरित कार्यवाही करते हुये पुराने बस स्टेंड आठनेर से आरोपी को गिरफ्तार करने में आठनेर पुलिस को सफलता मिली । उपरोक्त फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी आठनेर निरी. सरविंद धुर्वे, एसआई आर.वी. गोस्वामी, एएसआई दिनेश धुर्वे, प्रआर 128 बलराम सरयाम, आर. 04 विपल्व मिरासे, आर. 384 दिनेश उईके की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

स्टेट हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

बैतूल। जिले के घोड़ाडोंगरी तहसील क्षेत्र में बैतूल-परासिया स्टेट हाईवे पर एक भीषण हादसा हो गया। यहां रानीपुर के पास बीती रात अज्ञात वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई। रानीपुर पुलिस ने सोमवार सुबह करीब 11 बजे मृतकों के शव का घोड़ाडोंगरी अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं। रानीपुर थाना प्रभारी अवधेश तिवारी एवं एएसआई दीपक मालवीय ने बताया कि रानीपुर के पास बीती रात अज्ञात वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार युवक सिंगारचावड़ी थाना चिचोली निवासी संतराम पंद्राम और हरिशंकर पंद्राम गंभीर रूप से घायल हो गए।

कलेक्टर ने चिचोली, आठनेर में राजस्व निरीक्षकों तथा पटवारियों के साथ की समीक्षा बैठक

राजस्व वसूली की कार्रवाई में तेजी लाएं : कलेक्टर सूर्यवंशी

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने राजस्व निरीक्षकों से कहा कि राजस्व वसूली की कार्रवाई में आप लोग तेजी लाए। 31 अक्टूबर तक वसूली के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करें। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सोमवार को आठनेर तथा चिचोली में समीक्षा बैठक के दौरान राजस्व निरीक्षकों तथा पटवारियों को दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी सोमवार को आठनेर तहसील में राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों के राजस्व कार्यों के संबंध में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राजस्व वसूली पूर्ण करने एवं राजस्व प्रकरण यथा नामांतरण बंटवारा, सीमांकन के निराकरण में तेजी लाने, सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का त्वरित निराकरण, स्वामित्व (आबादी सर्वे) पूर्ण करने तथा नक्शा तरमीम इत्यादि कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में अतिक्रमण हटाने, अवैध कॉलोनी पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैंसदेही, तहसीलदार आठनेर, नायब तहसीलदार आठनेर उपस्थित थे।

चिचोली तहसील न्यायालय का किया निरीक्षण- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसील न्यायालय चिचोली का निरीक्षण किया। इसके बाद तहसील स्तरीय राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, वसूली तथा ई-केवायसी एलआर लिंकिंग, आधार सीडिंग सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एसडीएम श्री राजीव कहार तहसीलदार श्री अतुल श्रीवास्तव उपस्थित थे।

श्री सूर्यवंशी ने राजस्व आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों पर चर्चा करते हुए कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए लोक सेवा केंद्र के अलावा अब एमपी ऑनलाईन और सीएससी के कियोस्क के माध्यम से भी आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराए जा रहे है। राजस्व अधिकारियों द्वारा समय सीमा पार कर चुके लंबित प्रकरणों को चिन्हित कर न्यायालय में नियमित सुनवाई आयोजित कर नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जाए। पुराने प्रकरणों के निराकरण में प्राथमिकता दे।

नोटिस तामील कराना महत्वपूर्ण- कलेक्टर ने कहा कि नोटिस का तामिला कराना प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। नोटिस तामील कराने के लिए जमादार पर ही निर्भर न रहे। उसकी अपनी सीमाएं है। पटवारी के माध्यम से नोटिस तामिल कराएं। पटवारी फील्ड में कार्य करते है इसलिए नोटिस तामिल कराना उनके लिए सहज होगा। नोटिस तामील कराने के लिए विभिन्न संचार माध्यमों का भी उपयोग कर सकते है।

वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर में 117 मरीजों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम अंतर्गत सोमवार 20 मई 2024 को जिला चिकित्सालय बैतूल में निःशुल्क वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 117 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 117 वृद्धजनों में आर्थोपेडिक 21, नेत्र रोग 19, ई एन टी 08, हृदय रोग 05, मानसिक रोग 08, दंत रोग 10, कम्युनिकेबल डिजीज 02, श्वसन संबंधी रोग 02, कुष्ठ रोग 02, मधुमेह रोग 16, हाइपरटेंशन 22, फिजियोथेरेपी 34 का चिन्हांकन कर परीक्षण किया जाकर परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया।

शिविर में वृद्ध जनों का सम्मान शाल श्रीफल एवं पुष्प हार से किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि वृद्ध जनों में मानसिक समस्याओं एवं भावनाओं का असंतुलित होना आजकल आम बात हो गई है। इन समस्याओं से समाज के इस उम्र एवं वर्ग के लोग विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं, अतः वृद्धजनों की देखभाल अत्यंत आवश्यक है। भावनाओं का असंतुलन अपनी क्षमताओं से अधिक अपेक्षा एवं संबंधों में अत्यधिक उम्मीदें रखना है। प्रतिस्पर्धा भरे जीवन में अपनों का ही अपनों के लिए समय न निकाल पाना सबसे बड़ी समस्या है। ऐसे में भावनात्मक रूप से कमजोर वृद्ध जन अपनी भावनाओं को साझा नहीं कर पाते हैं। उन्हें बताया गया कि पौष्टिक आहार लेकर, नियमित व्यायाम कर, स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर, समय-समय पर अपनी निशुल्क जांच करवाकर एवं समय पर नियमित दवाइयों का सेवन कर स्वस्थ रहा जा सकता है। वृद्ध जनों को खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में सिविल सर्जन डॉ. अशोक बारंगा, आरएमओ डॉ. रानू वर्मा, मेडिकल विशेषज्ञ एनसीडी नोडल डॉ. तरुण साहू, मनोरोग चिकित्सक डॉ.संजय खातरकर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. वरुण उपाध्याय, ईएनटी चिकित्सक डॉ. हर्षिता शर्मा, दंत चिकित्सक डॉ.ज्योति सूर्यवंशी सहित अन्य मौजूद रहे।

प्राकृतिक आपदाओं से बचने मॉक ड्रिल का आयोजन

बैतूल। जिला सेनानी के निर्देशानुसार डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड बैतूल कार्यालय में सोमवार को सिविल डिफेंस वालंटियर को विभिन्न प्रकार की आपदा संबंधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 159 सिविल डिफेन्स वालंटियर उपस्थित थे। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड से प्लाटून कमाण्डर श्रीमती सुनीता पन्द्रे की उपस्थिति में एसडीईआरएफ के जवानों द्वारा अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें आग के प्रकार तथा आग लगने के समय क्या-क्या सावधानियां बरतनी पड़ती है, फायर स्टुग्रेशर संबंधित जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। साथ ही अग्निशमन उपकरणों को चलाने का अभ्यास कराया गया। प्रथम उपचार कैसे किया जाता है, घायल व्यक्तियों को चोट लगने पर पट्टी बांधना, खप्पची बांधना एवं उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने की आकस्मिक विधियों के बारे में बताया जाकर स्ट्रक्चर बनाना, सीपीआर के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

सूर्यनारायण सरोवर के पास अमरावती रोड की शासकीय भूमि पर कब्जा

नपा मुलताई की फेंसिंग को तोड़कर सरेआम किया गया समतलीकरण

नगर पालिका ने दो व्यक्तियों को जारी किया नोटिस

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर में शासन की मुख्य मार्ग पर स्थित करोड़ों रुपए मूल्य की कीमती भूमि पर कब्जा किए जाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है । हाल ही में शासन की अमरावती मुख्य मार्ग से लगी सूर्यनारायण सरोवर के समीप की भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर नगर पालिका ने दो भूमि स्वामियों को नोटिस जारी किए हैं किंतु नोटिस जारी करने के एक महीने बाद भी इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी और नाहीं अतिक्रमण कर्ताओ द्वारा अवैध कब्जे को हटाया गया है। मुलताई नगर पालिका द्वारा सवा करोड रुपए की लागत से सूर्य नारायण सरोवर और उसके सामने की मुख्य मार्ग अमरावती रोड से लगी भूमि पर सौंदर्य करण कर गार्डन का निर्माण किया जाना है। नगर पालिका इस भूमि पर वृक्ष लगाकर फेंसिंग कर रखी थी। इससे पहले की नगर पालिका इस भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ करती। भूमि स्वामियों ने नगर पालिका की फेंसिंग को काटकर डंपरों के माध्यम से मुरम डालकर शासकीय भूमि का समतलीकरण कर 10 हजार स्क्वायर फीट से ज्यादा भूमि पर कब्जा कर लिया गया। जब भूमि स्वामीयो द्वारा सरेआम नगर पालिका की फेंसिंग तोड़कर डंपरों के माध्यम से कब्जे की कार्रवाई हो रही थी तब आचार संहिता लगी हुई थी और अधिकारी निर्वाचन कार्य व्यस्त थे। जानकारी के बाद नगर पालिका ने भवन स्वामी जुनैद पिता शहीद, मुजम्मिल पिता सहीद को नोटिस जारी कर 24 घंटे में अतिक्रमण हटाने का कहा है अन्यथा नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 233 के तहत कार्रवाई किए जाने की बात कही है किंतु नोटिस जारी करने के लंबे अंतराल बाद भी ना तो नगर प्रशासन ने कोई कार्रवाई की और नाहीं भूमि स्वामियों ने अतिक्रमण हटाने में कोई रुचि दिखाई।

अमरावती रोड की पुलिया भी हुई बंद बरसात में बनेगी बड़ा संकट- अतिक्रमण स्थल पर जायजा लेने पहुंचे नगर पालिका के कर्मचारियों ने नाम न छापने की सर्त पर बताया कि डंफरों से मुरम लाकर सैकड़ो डंफर मुरम गड्ढे में भर कर समतलीकरण कर दिया गया जहां यह मुरम भरी गई है वहीं से वर्षा काल में पानी पुलिया के नीचे से अमरावती रोड से दूसरी ओर जाकर नाले से मिलता है और फिर यह वर्ष का जल आगे जाकर मरघट नाले से मिलता है किंतु यहां मोरम डाल दिया गया है और जगह को भर दिया गया है जिससे वर्षा काल में यहां एक बड़ा तालाब का निर्माण होगा और अमरावती मुख्य मार्ग भी बाधित हो सकता है।

धामन्या में मांझी सरकार सैनिकों ने अवैध रेत से भरे 4 ट्रेक्टर पकड़े, बीजादेही पुलिस को सौंपे

जनपद अध्यक्ष का आरोप पुलिस ने चारों ट्रेक्टर बिना कार्यवाही छोड़े

बैतूल। बीजादेही थाना क्षेत्र के धामन्या गांव से लगी मोरण्ड नदी में अवैध रेत से भरे ट्रेक्टरों को मांझी सरकार सैनिको ने पकड़ा है । सैनिको द्वारा पकड़े गए ट्रेक्टरों को बीजादेही थाने में सौंपा है लेकिन जनपद अध्यक्ष ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस ने कार्यवाही किये बिना ही छोड़ दिया । सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आज लगभग दो पहर में मांझी सरकार सैनिकों ने मोरण्ड नदी में अवैध रेत से भरे 4 ट्रेक्टर पकड़े थे जिसे बड़ी मशक्कत के बाद बीजादेही थाने में ले गए थे जहां उन्होंने बीजादेही पुलिस से रिपोर्ट लिखने कहा लेकिन पुलिस ने अपनी सुपुर्दगी में लिया ही नही ओर उन्हें लौटा दिया । यह पूरी सूचना ग्रामीणों ने जनपद अध्यक्ष शिवशंकर मवासे को दी, उन्होंने भी बीजादेही पुलिस को बिना कार्यवाही छोड़ने पर हड़काया। श्री मवासे ने बताया कि ग्रामीणों ओर मांझी सरकार सैनिको ने मुझे बताया तो मैंने पुलिस से बात भी थी। श्री मवासे ने बताया कि मोरण्ड नदी से प्रतिदिन 25 से 30 ट्रैक्टर रेत भर कर जाती है ।

नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच कर रहे दो इंस्पेक्टर गिरफ्तार

12 लाख की ले रहे थे रिश्वत, बैतूल भी पहुंची थी सीबीआई टीम

भोपाल/बैतूल। मध्यप्रदेश में बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच के लिए लंबे समय से सीबीआई की टीम प्रदेश के कोने-कोने में घूमकर इनकी पड़ताल कर रही थी। इसी पड़ताल के दौरान अधिकांश कॉलेज अनसूटेबल पाए गए और सीबीआई की रिपोर्ट के बाद कई कॉलेज संचालक न्यायालय में भी गए। इसी दौरान जिन कॉलेजों में कमियां दूर कर अनसूटेबल को सुटेबल किया जाना था उसकी भी तैयारी चल रही थी। इसी बीच सीबीआई के दो इंस्पेक्टर नर्सिंग कॉलेज वालों से रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गये है, और इन्हें विजिलेंस टीम ने ही पकड़ा है।

नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच कर रही सीबीआई टीम के एक और इंस्पेक्टर को सीबीआई दिल्ली की विजिलेंस टीम ने आज दो लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इससे पहले कल रविवार रात एक अन्य इंस्पेक्टर को 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। आज पकड़ा गया इंस्पेक्टर सुशील मजोकर एसीबी भोपाल सीबीआई में अटैच था। विजिलेंस टीम ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। तीनों को 29 मई तक की रिमांड पर भेज दिया गया है। रविवार को सीबीआई की एक टीम ने भोपाल में आरोपी इंस्पेक्टर के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित घर पर छापा मारा और उन्हें रिश्वत लेते पकड़ा। राहुल राज के घर से तलाशी में 7 लाख 88 हजार रुपए नकद और 100-100 ग्राम के सोने के बिस्किट भी मिले हैं।

नर्सिंग कॉलेज संचालकों से ले रहे थे रिश्वत- सीबीआई निरीक्षक राहुल राज को रिश्वत देने वाले भोपाल के मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के चेयरमैन अनिल भास्करन, प्रिंसिपल सूना अनिल भास्करन और एक मीडिएटर सचिन जैन को भी सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। राहुल राज सही सुइटबिलिटी रिपोर्ट देने के नाम पर रिश्वत ले रहे थे। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद चारों आरोपियों को भोपाल में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार शर्मा की कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने सभी आरोपियों को 29 मई तक पीआर पर भेज दिया है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 7, 7ए, 8, 9, 10 और 12 के तहत मामला दर्ज किया है।

बैतूल भी पहुंची थी सीबीआई टीम- नर्सिंग कॉलेजों को लेकर पूरे प्रदेश भर में सीबीआई की टीम जांच कर रही है। इसी कड़ी में सीबीआई की एक टीम बैतूल जिले के सभी नर्सिंग कॉलेजों की जांच के लिए कई दौर में बैतूल आई और समय-समय पर बैतूल शहर और जिले के सभी नर्सिंग कॉलेजों की जांच की गई। इसी जांच के बाद जिले के अधिकांश नर्सिंग कॉलेजों को अनसुटेबल बताया गया। अब इसको लेकर भी कई नर्सिंग कॉलेज के संचालक न्यायालय की शरण में गये है। इन नर्सिंग कॉलेज के संचालको ने भी इंस्पेक्टर के खिलाफ आरोप लगाते न्यायालय की शरण ली है।

नरसिंह अवतरण दिवस

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं आध्यात्मिक चिंतक है

लोक मंगलार्थ एवं धर्म के रक्षार्थ अवतरित हुए नरसिंह भगवान

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को अपने परम प्रिय भक्त प्रह्लाद समेत सभी सामान्य जनों की रक्षा एवं विश्व में धर्म की पुनः स्थापना करने हेतु भगवान श्रीहरि विष्णु ने स्वयं ही नरसिंह रूप में अवतार लेकर भारतीय संस्कृति की अजस्रा अमृत-वाणी 'यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः अभ्युथानमधर्मस्य तदात्मानम् सृजाम्यहम्, प्रित्राणाय साधूनाम् घृणाशाय च दुष्कृताम् धर्म संस्थापनार्थाय सम भवामी युगे-युगे' को चरितार्थ किया था। यह वही अमृत-वाणी है, जिसके माध्यम से समय-समय पर हमारे ऋषि-मुनियों, साधु-संतों और महापुरुषों ने विश्व को धर्म, नैतिकता एवं लोक-लाज का मर्म बताया। यह वही अमृत-वाणी है, जो समंदर रूपी भगवान श्रीकृष्ण के श्रीमुख से निःसृत हुई और सरिता रूपी विविध जातियों, वर्गों, पंथों और संप्रदायों को हजारों-लाखों वर्षों से सींचित करती आ रही है। इसी अमृत-वाणी को त्रेता युग के प्रिंय संत बाबा तुलसी ने कमनीय एवं मधुर लोकभाषा 'अवधी' में 'जब-जब होहिं धरम के हानि, बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी...' के रूप में गाकर पुनः प्रतिष्ठापित किया, जो सदियों से थकी-हारी, पीड़ित-प्रताड़ित, हताश और निराश मानवता के लिए अजस्र प्रेरणा स्रोत साबित होती रही है।

नरसिंह भगवान का अवतार भगवान श्रीहरि विष्णु के प्रमुख अवतारों में से एक है। इस अवतार में भगवान श्रीविष्णु ने आधा मनुष्य एवं आधा शेर का शरीर धारण करके दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था। इससे जुड़ी कथा के अनुसार प्राचीन काल में कश्यप नामक ऋषि और उनकी पत्नी दिति का पुत्र हिरण्यकशिपु अन्य दैत्यों की भांति ही भीमकाय होने के साथ-साथ अत्यंत ही क्रूर, अत्याचारी एवं हिंसक प्रवृति का था। चारों तरफउसका आतंक व्याप्त था... मानवता त्राहि-त्राहि करती थी और प्रकृति थर-थर कांपती थी। हिरण्यकशिपु का एक भाई भी था हिरण्याक्ष, जो उसकी ही भांति अत्यंत क्रूर एवं हिंसक प्रवृति का था। एक बार उसने पृथ्वी का हरण कर संपूर्ण पृथ्वी वासियों पर तरह-तरह के अत्याचार करने लगा, जिसके बाद उसके अत्याचारों से पृथ्वी एवं धर्म की रक्षा हेतु भगवान श्रीहरि विष्णु ने 'वाराह' का रूप धारण कर उसका वध किया था। अपने भाई की मृत्यु से प्रतिशोध की प्रचंड ज्वाला में धधकता हिरण्यकशिपु ने अजेय होने के उद्देश्य से सहस्त्रों वर्षों तक कठोर तप किया, ताकि अमरता का वरदान प्राप्त कर वह भगवान श्रीहरि विष्णु से प्रतिशोध ले सके। गौरतलब है कि उसके कठोर तप के प्रभाव से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने उसे वरदान दिया था कि उसकी हत्या न तो दिन में न रात में, न धरती पर न आकाश में, न अस्त्र से न शस्त्र से, न तो मनुष्य से और न ही पशुओं अथवा देवताओं के द्वारा हो सकेगी।

ब्रह्माजी से वरदान प्राप्त करने के बाद दिनों-दिन हिरण्यकशिपु के अत्याचार बढ़ते ही गये। शीघ्र ही उसने स्वर्ग पर अपना आधिपत्य कर लिया और लोकपालों को हराकर स्वयं ही संपूर्ण लोकों का अधिपति बन गया, जिसके बाद उसने घोषणा कर दी

कि वही इस पूरे संसार का भगवान है, इसलिए सभी प्राणी उसकी ही पूजा करें। हिरण्यकशिपु की प्रचंड शक्ति के आगे देवतागण तो निरूपाय हो गये, लेकिन उसी समय हिरण्यकशिपु को अपने जीवन की सबसे बड़ी चुनौती अपने ही पुत्र प्रह्लाद से मिली। दरअसल, प्रह्लाद अपने पिता के विपरीत भगवान श्रीहरि विष्णु का बहुत बड़ा भक्त था। वह आठों याम भगवान श्रीहरि विष्णु के नाम का जाप करता... उनके नाम का कीर्तन करता और उनकी ही गाथाएं सुनाता रहता था। उसके इस व्यवहार से अत्यंत क्रुद्ध हिरण्यकशिपु ने पहले तो उसे समझाने-बुझाने की बहुत कोशिश की, किंतु पुत्र प्रह्लाद पर अपनी बातों का कोई प्रभाव न पड़ता देख वह उसके ऊपर तरह-तरह के कठोरतम अत्याचार करने लगा। ईश्वर कृपा से फिर वह घड़ी भी आयी, जब भगवान श्रीविष्णु ने लोकमंगलार्थ एवं धर्म के रक्षार्थ खम्भे से नरसिंह रूप में प्रकट होकर हिरण्यकशिपु का अपनी जंघा पर लिटाकर अपने ही नाखूनों से वध कर दिया, जिससे संपूर्ण लोकों में शान्ति और धर्म की पुनः स्थापना हो पायी।

शास्त्रीय मान्यता के अनुसार जो भक्त भगवान नरसिंह का व्रत रख कर विधिपूर्वक पूजा करते हैं, उन्हें ऐश्वर्य एवं यश की प्राप्ति होती है। वे समस्त सुखों के भागी होते तथा पापों से मुक्त होकर परमधाम को प्राप्त करते हैं। अतः इस दिन को भक्तगण बड़ी ही धूमधाम से 'भगवान नरसिंह प्रकटोत्सव' के रूप में मनाते हैं। शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार भगवान नरसिंह का व्रत करने से दुखों का अंत होता है और भगवान की कृपा बनी रहती है। विशेष रूप से इस दिन भगवान नरसिंह के साथ माता लक्ष्मी की पूजा करने से देवी लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है। वैसे तो नरसिंह भगवान की पूजा देशभर में की जाती है, लेकिन दक्षिण भारत में वैष्णव संप्रदाय के लोग इनकी पूजा संकट के समय रक्षा करने वाले देवता के रूप में करते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो भक्त इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य क्रिया से निवृत होने के बाद विधिपूर्वक पूजा-अर्चना, आरती,हवन आदि तथा अंत में क्षमा प्रार्थना कर निर्मल मन से नरसिंह भगवान का ध्यान करता है, उसके कष्टों को दूर करने के लिए भगवान स्वयं ही प्रकट होते हैं।

नर्मदापुरम की चिट्ठी

संजीव डे राय

ठेले और टपों को तोड़ना 'आटो' की तपिश..?

ठेले और टपों को तोड़ने का कारण चुनाव में विधायक के खिलाफ चला आटो की रंजिश समझ आती है..? दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सुनील राजपूत जिसके विरुद्ध प्रधानमंत्री आवास योजना घोटाले को लेकर पुलिस में एफआईआर दर्ज थी, इसे लेकर सुनील पूरे एक साल तक पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए भागता रहा, यहां तक वह नगरपालिका कार्यालय नहीं जा रहा था। फिर विधायक से दो तीन मुलाकात के बाद ऐसा क्या हुआ कि एक साल से फरार सुनील थाने पहुंचा, समर्पण किया और थाने से ही उस दिन ही जमानत भी हो गई..! नौकरी से गायब रहने वाले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सुनील नई परिषद में पुनः नौकरी करने लगा, इन सबके बाद दैनिक वेतनभोगी दागदार इस कर्मचारी को अधिकारी स्तर की सुविधाएं दे रखी है.? नियमित कर्मचारियों के होते हुए उसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य अतिक्रमण दल का प्रभारी बनाया गया यह योजना साकार करने का हिस्सा हो सकता है..? फिर अतिक्रमण हटाने के नाम पर ठेले और टप तोड़ना क्या विधायक के समर्थन में रंजिश दिखाई नहीं देता.. इसकी गूंज तो चौंक चौराहे पर सुनाई दे रही है .?

मानवीय संवेदना बताकर अखिलेश कूदे विरोध में..

नगरपालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर ठेले और टपों को तोड़े जाना मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध बताकर पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री और पार्टी जिलाध्यक्ष के नाम पत्र लिखकर इस अमानवीय व्यवहार को तुरंत रोकने का निवेदन किया। विधानसभा चुनाव में विधायक के विरुद्ध इन गरीबों द्वारा निर्दलीय उम्मीदवार भगवती चौरे के समर्थन में आटो चलवाने का यह कुचक्र तो नहीं..? पूर्व नपाध्यक्ष ने इसे मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध बताते हुए मुख्यमंत्री सहित पार्टी जिलाध्यक्ष को अमानवीय व्यवहार बताते हुए तुरंत रुकवाने की वकालत करते हुए अखिलेश खंडेलवाल गरीबों की आवाज बनकर नगरपालिका के आगे आए..! विधानसभा चुनाव में विधायक के विरुद्ध चलने वाले आटो के समर्थन में जिन अठारह विरोधियों की जमात डॉ शर्मा का विरोध जता रही थी दरअसल उन विरोधियों में अखिलेश को शामिल बताया जाता है.?

प्रकृति ने स्वमेव मौका दिया भगवती बाहर आएं..

विधायक को 52 हजार वोट की चोट देने वाले निर्दलीय उम्मीदवार भगवती चौरे को प्रकृति ने बैठे बिठाए यह अवसर दिया कि वे बाहर आए और गरीबों के दुःख सुख में साथी बने। इससे भविष्य में डा शर्मा के विरुद्ध लड़ने वाले निर्दलीय उम्मीदवार को जनता हेय दृष्टि का शिकार नहीं होना पड़ेगा.. क्योंकि बतौर निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे ने चुनाव लड़कर डॉ शर्मा के 52 हजार वोट की चोट पहुंचाई, साथ ही आम मतदाताओं का आभार व्यक्त करने वे घरों घर नहीं पहुंचे जैसे वोट मांगने वे मतदाताओं के घरों घर मतदाताओं से वोट मांग रहे थे। अतिक्रमण हटाने के नाम पर तोड़े गए ठेले और टपों का मुआवजा संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग आन्दोलन चेतावनी के साथ उठने लगी। ऐसे में भगवती चौरे को मानों विधायक के खिलाफ और नगरपालिका के विरुद्ध खड़े होने का प्रकृति ने मौका देकर क्षेत्र की सेवा करने को इंगित किया हो...

हमें संरक्षक/अध्यक्ष/अतिथि बनाओं जहां चाहे फिर अतिक्रमण करो..

एक विचित्र आमंत्रण इस रविवार को सुर्खियां बना, आमंत्रण पत्र देखकर तरह तरह की बातें होने लगी , मौका एक हास्पिटल के शुभारंभ का था, आमंत्रण पत्र में सिवाय एक को छोड़ बाकी नगर के वे पुराने चर्चित चेहरे पर हस्तियां.. इन नामों का उल्लेख अतिक्रमण कार्रवाई से बचने के लिए..? संरक्षक की तरह सामने आया.. कहा जा रहा मीनाक्षी चौक (भवानी प्रसाद मिश्र) चौराहे के समीप नाले की जगह पर अतिक्रमण वाली दुकान आखिर क्यों कर अब-तक नही हटी, प्रशासन भी इस मामले में मौन क्यों..? आमंत्रण पत्र से साफ समझ आता है..? अतिक्रमण कारी को मिला संरक्षण उसी तर्ज पर हमें संरक्षक/अध्यक्ष/अतिथि बनाओ और कही भी अतिक्रमण करो..?

कलेक्टर का ध्यान काम पर और चाटुकारों का कलेक्टर पर..?

कलेक्टर से मीडिया पर्शन नाराज हैं, पिछले कलेक्टरों के भांति वर्तमान उन्हें तबज्जों नहीं देकर अधीनस्थों से सम्पर्क करने का कहकर वो अपने काम से मतलब रखती हैं, इसके कार्यकाल में शिथिल विभाग गतिमान हो गये, जन सम्पर्क विभाग कलेक्टर के कार्यो का लेखा जोखा उनके दौरे हर दिन ताजा-तरीन खबरों के साथ प्रस्तुत कर रहा। पिछले कलेक्टरों से चाटुकारिता को कथन/ व्हाइट के जरिए शह मिला करती थी, नहीं मिल पा रही इसे लेकर पिछले और वर्तमान कलेक्टर की तुलना में वर्तमान को कमजोर बताने की चर्चा एक दूसरे से सम्पर्क के दौरान की जाने लगी..!

और अब अंत में चलते-चलते...

सेप्टिक टैंक खाली करने का इन्तजार नपा में नहीं..

भीषण गर्मी उपर से सेप्टिक टैंक से निकल रही बदबू ऐसे में आदमी सैप्टिक टैंक खाली कैसे और किससे करवाए, संभाग की सबसे बड़ी नगरपालिका के पास इसका कोई इन्तजाम नहीं, नगरपालिका की गाड़ियों की मेंनटेन जिम्मेदारी करने वाले कहते हैं टैंक का जनरेटर खराब हो गया नया आ रहा है। जो इंदौर से चला 15 दिन हो गए यहां पहुंच नहीं पाया। जब इस मामले में विधायक प्रतिनिधि से पूछा तो वो बताते हैं कि गुजरात से नया जनरेटर आ रहा है। कोई इस मामले में सही जानकारी नहीं दे रहा आदमी परेशान हो रहे जिन्हें प्राईवेट में टेंक खाली करवाने में 14 हजार तक खर्च करना पड़ रहा इससे तो माखननगर के निजी कारोबारियों की मानों बन आई...

भाजपा की कामकाजी जिला बैठक संपन्न

सभी देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रणाम करती हूं : सावित्री ठाकुर

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सोमवार को कामकाजी जिला बैठक संपन्न हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा,किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया, भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गी,पूर्व विधायक बलवंत सिंह मंडलोई, जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़, आजीवन सहयोग निधि प्रभारी दीपक शर्मा मंचासीन रहे। बैठक का आरंभ भारत माता व पितृ पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया।

भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि भाजपा की सरकार ने मोदी जी के नेतृत्व में देश में कई बड़े परिवर्तन हुए है हम सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए काम करने वाले लोग है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ताओ के दम पर ही हम धार लोकसभा चुनाव भी भारी मतों से जीतेंगे। अब हम सभी को आजीवन सहयोग निधि के काम में लगना है और जो लक्ष्य हमने लिया है उसको पूरा करना है।

किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सब से बड़ा राजनीतिक संगठन है । यह संभव हुआ है तो कार्यकर्ताओं के कारण। आज की बैठक आजीवन सहयोग निधि के लिए रखी गई है। आजीवन सहयोग निधि का लक्ष्य हम कार्यकर्ताओ के बल पर पूरा करेंगे।

भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में राष्ट्र सेवा भाव से कार्य कर रहे सभी देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं प्रणाम करती हूं। मैं हमेशा आपकी अपेक्षाओं पर खरी उतरने की कोशिश करूंगी। मोदी जी के नेतृत्व में देश में 400 पार करेंगे और धार लोकसभा तीन लाख मतों से जीतेंगे।

डॉ. शरद विजयवर्गीय ने बताया कि 4 जून को होने वाले मतगणना के दिन प्रत्येक टेबल पर एजेंट नियुक्त किए जाएंगे जिनके आवश्यक दस्तावेज जिला कार्यालय में या विधानसभा प्रभारी को जमा कराना होंगे तभी उनका प्रवेश पत्र बन पाएगा।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि आजीवन सहयोग निधि के लिए जिले के प्रत्येक मंडल में 22 मई को बैठक आयोजित की जाएगी तथा 23 24,25 मई को विशेष अभियान चलाया जाएगा । जिला कामकाजी बैठक में जिला महामंत्री जयराम गावर,जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, निलेश भारती, रामेश्वर पाटीदार,राधेश्याम मुकाती, दीपक फेमस मनीष प्रधान, विक्रम पटेल, संजय मुकाती,दीपक सिंह रघुवंशी, विवेक गोड़,विपिन राठौर,पूर्व जिला उपाध्यक्ष ईश्वर कटरा, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कुसुम सोलंकी सहित जिले के मंडल अध्यक्ष मंडल प्रभारी जिला पदाधिकारी वरिष्ठ नेता व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सक्षम ने किया दृष्टि बाधितों का सम्मान

देवास। सक्षम की देवास जिला इकाई ने सूरदास जयंती पर खेड़ापति होटल में दृष्टि बाधितों के सम्मान समारोह का आयोजन किया। अध्यक्षता दृष्टि बाधित कन्या छात्रावास समिति के अध्यक्ष राजेंद्र मूंदड़ा ने की। मुख्य वक्ता मालवा प्रांत के सह सचिव एवं युवा आयाम प्रमुख हर्ष शर्मा तथा जिला संघ चालक विमल अग्रवाल उपस्थित थे। मंचासीन अतिथियों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 11 दृष्टि बाधितों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता हर्ष शर्मा ने संत सूरदासजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन्मांध होते हुए भी दोहावली जैसे काव्य ग्रंथों की उन्होंने रचना की। कृष्ण लीलाओं व गोपियों के वीरह का अद्भुत वर्णन उन्होंने किया है। राजेंद्र मूंदड़ा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में दिव्यांग क्षेत्र में बहुत अधिक कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर जिला संघ चालक ने अपने आशीर्वचन सक्षम को दिए तथा नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा भी की। इसमें दारासिंह वशिष्ठ जिला अध्यक्ष, दीपाली मिराचकर उपाध्यक्ष, लक्ष्मणजी उपाध्यक्ष, अमित पीठवे सचिव, रितु गुप्ता सह सचिव, विजय गौतम कोषाध्यक्ष, दर्पण सोलंकी युवा आयाम प्रमुख, दीपक वशिष्ठ युवा आयाम सह प्रमुख, दीपा केदार महिला आयाम प्रमुख, दिलीप जायसवाल दृष्टि बाधित प्रकोष्ठ प्रमुख बनाए गए।

मतगणना की व्यवस्थाओं,तैयारियों के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारियों और नोडल अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व की समीक्षा बैठक हुई

धार। मतगणना दलों के प्रशिक्षण को लेकर कार्यवाहियां समय सीमा में पूर्ण करें,मतगणना कक्ष में एक व्यावहारिक प्रशिक्षण भी रखें। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर 4 जून को पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतगणना होना है। इसके संबंध में सभी अधिकारी सौपें गए दायित्वों का समय सीमा में निर्वहन करें। सभी एआरओ प्रशिक्षण में उपस्थित रहें। साथ ही संबंधित अधिकारी पोस्टल बैलेट को लेकर तैयारियॉ देख लेवें। यह निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मतगणना कार्य की व्यवस्थाओं और तैयारियों के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारियों और नोडल अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मिश्रा ने सभी एआरओ को मतगणना दलों के प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया। मतगणना स्थल पर सभी कमरों में एक जैसी व्यवस्था रहे। माईक्रो अब्जर्वर का प्रशिक्षण भी आयोजित करें। मतगणना टीम एआरओ से डायरेक्ट कनेक्टेड है। जिले में 24, 25 मई को प्रशिक्षण का आयोजन किया जाए। मतगणना स्थल पर साफ-सफाई, विद्युत की सभी व्यवस्था रहें। साथ ही विद्युत एवं फायरफायटर प्रतिदिन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करें। मतगणना स्थल पर एकजोस्ट की व्यवस्था करें और कुलर की व्यवस्था भी बेहतर रहे। स्वास्थ्य विभाग के अमले के लिए उचित कमरे की व्यवस्था करें। इसके साथ ही पार्किंग स्थल पर भी एम्बुलेंस की व्यवस्था भी हो।

बैठक में उन्होंने मतगणना कार्य की व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त किए गए अधिकारियों की विस्तार से समीक्षा कर मेनपावर, उपकर अरेंजमेंट, काउंटिंग अरेजमेंट, प्रवेश एवं सुरक्षा व्यवस्था, वेलफेयर प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी, नोडल अधिकारी एवं संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अपने स्तर से सहयोग के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त अधिकारी, कर्मचारियों को दायित्व सौंपकर सम्पूर्ण आवश्यक तैयारियॉ यथाशीध्र पूर्ण कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सविता झानिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अश्विनी कुमार रावत, सभी जिला अधिकारी व सभी एसडीएम वर्चुअली जुडे थे।

नगर निगम करेगी रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के प्रति शहरवासियों को जागरूक

जल संरक्षण के लिए रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समय की आवश्यकता : महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल

छत का पानी अब नहीं बहाएंगे व्यर्थ, जल संरक्षण को लेकर प्रारंभ होगा अभियान

देवास। बारिश का पानी छत से नीचे गिरकर व्यर्थ बह जाता है। छत से गिरने वाले पानी को संग्रहित करने में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से बारिश के पानी को सीधे बोरिंग में उतारा जाता है। इससे गर्मी के दिनों में भी वॉटर लेवल बना रहता है। बारिश का पानी व्यर्थ ना बहे, इसके लिए नगर निगम शहरवासियों को रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के प्रति प्रेरित करेगी। ऐसा होने से भूजल स्तर भी बना रहेगा और गर्मी के दिनों में भी पानी की किल्लत नहीं उठाना पड़ेगी।

शहर में बड़ी संख्या में बोरिंग, हैंडपंप सहित अन्य पेयजल स्रोत हैं, लेकिन रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग की संख्या बहुत कम है। अब नगर निगम इसके लिए अभियान प्रारंभ कर रही है। छत का पानी सीधे बोरिंग में पहुंचे इसके लिए रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए तकनीकी सहयोग भी नगर निगम प्रदाय करेगी। महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने बताया, कि जल संरक्षण के लिए रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समय की आवश्यकता है। जिन घरों में बोरिंग है, उन्हें अवश्य ही यह सिस्टम लगवाना चाहिए। इसके माध्यम से बोरिंग में गर्मी के दिनों में भी जलस्तर बना रहता है।

इस संबंध में महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने गत दिवस जल संरक्षण पर कार्य करने वाली संस्थाओं के सदस्यों के साथ बैठक की। महापौर प्रतिनिधि श्री अग्रवाल ने कहा, कि भूजल स्तर को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए शहरवासियों को प्रेरित करना है। उन्हें जो भी तकनीकी सहयोग चाहिए, वह नगर निगम देगी। शहरवासियों को प्रेरित करने में जल संरक्षण के लिए कार्य कर रही संस्थाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बैठक में संस्था सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव दिए।

कुएं-बावड़ियों की सफाई का काम भी शुरू- इधर वर्षाकाल से पूर्व कुएं-बावड़ियों की सफाई का कार्य भी नगर निगम ने सोमवार से प्रारंभ कर दिया है। महापौर श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि शहर में स्थित 26 कुएं-बावड़ियों की सफाई का कार्य निगम की टीम द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है। सोमवार को वार्ड 23 के कालानी बाग, हटेसिंह गोयल कॉलोनी शीतला माता मंदिर के पास बावड़ी की सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया।

इसी प्रकार नगर निगम सीमा में स्थित पुलिस लाइन बावड़ी, खारी बावड़ी पठान कुआं, गायत्री विहार मंदिर की बावड़ी, शीतला माता मंदिर की बावड़ी, रामनगर मंदिर की बावड़ी, रामनगर एक्सटेशन का कुआं, अलकापुरी का कुआं, रानी बाग की बावड़ी, अन्नपूर्णा नगर का कुआं, एकता नगर का कुआं, त्रिलोकनगर का कुआं, निमाड़ नगर का कुआं, विकास नगर राम मंदिर का कुआं, नौशराबाद का कुआं, बिराखेड़ी का कुआं, आनंद ऋषि नगर का कुआं, गौमती नगर का कुआं, मेंढकीचक की बावड़ी, भोलेनाथ मोहल्ला का कुआं, नाथ मोहल्ला का कुआं, सोमेश्वर मंदिर का कुआं, गवली मोहल्ला राधाबाई स्कूल का कुआं सहित मीरा बावड़ी की सफाई का कार्य किया जाएगा।

महापौर श्रीमती अग्रवाल ने बताया, कि सफाई के साथ ही कुएं-बावड़ियों की सुरक्षा हेतु मुंडेर एवं जाली लगाने सहित रिपेयरिंग का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने कुएं-बावड़ियों कचरा व अन्य सामग्री नहीं डालने के लिए शहरवासियों से अपील भी की है।

खंडवा में खरगोन के छात्र की हत्या, दोस्त हिरासत में

पिता से कहा था-घर आ रहा हूं, लापता हो गया; जमीन में गड़ा मिला शव

खंडवा (नप्र)। खंडवा में खरगोन के छात्र की उसके दोस्तों ने ही हत्या कर दी। शव जंगल में गाड़ दिया। पुलिस ने शक के आधार पर एक दोस्त को हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर सोमवार दोपहर 12 बजे शव गड्ढे से निकाला गया। छात्र 17 मई से लापता था। पुलिस की जांच आपसी विवाद और प्रेम प्रसंग के एंगल पर टिकी हुई है। 22 साल का पंकज करोड़े (गुर्जर) खरगोन में भीकनगांव के सिराली गांव का रहने वाला था। उसका शव खंडवा जिले के भैरूखेड़ा के जंगल में मिला। वह सनावद में बीए सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। पिता पूनमचंद करोड़े किसान हैं। छोटा भाई चंदन इंदौर में पढ़ाई कर रहा है।

कहा- घर आ रहा हूं लेकिन पहुंचा नहीं

पंकज ने 17 मई को पिता को फोन कर बताया था कि वह घर आ रहा है लेकिन रात 10 बजे तक नहीं पहुंचा। उसका मोबाइल भी बंद हो गया। 18 मई को परिजन उसकी तलाश करते रहे। रात में भीकनगांव पुलिस से गुमशुदगी की शिकायत की। पूछताछ के दौरान परिजन ने पुलिस को बताया, कुछ दिन पहले पंकज का विवाद गांव के ही रहने वाले उसके दोस्त प्रदीप से हुआ था। इसके बाद पुलिस ने प्रदीप को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। सख्ती बरती तो वह टूट गया और दो अन्य दोस्तों के साथ पंकज की हत्या करना स्वीकार कर लिया।

प्रदीप ही बाइक से छात्र को लेने पहुंचा था

पंकज ने 17 मई की शाम सनावद से घर सिराली आने के लिए बस पकड़ी। बस सनावद से 25 किलोमीटर दूर दौड़वा गांव तक जाती है। यहां से सिराली गांव 10 किलोमीटर दूर है। बताया जा रहा है कि प्रदीप ही उसे बाइक से लेने यहां तक आया था। वह दौड़वा से उसे सिराली न ले जाकर धनगांव के पास भैरूखेड़ा गांव की ओर ले गया।

4 दिन में गल चुकी थी लाश, बारीकी से खोदकर निकाली

हत्याकांड को 4 दिन हो चुके हैं। रविवार की रात भीकनगांव पुलिस मौके पर पहुंची तो गड्ढे से बाहर सिर्फ हाथ दिखाई दे रहा था। इसी हाथ के आधार पर परिवार ने पुष्टि कर दी कि ये पंकज की ही लाश है। सोमवार सुबह पुलिस वापस घटनास्थल पर पहुंची और गड्ढा खोदकर शव को बाहर निकाला। 4 दिन के भीतर लाश पूरी तरह गल चुकी थी। मिट्टी और तेज धूप भी इसकी वजह रही। पुलिसकर्मियों ने गड्ढे को बारीकी से खोदकर शव को बाहर निकाला।

एफएसएल टीम ने की जांच, भीकनगांव में पोस्टमार्ट्म

घटना खंडवा जिले के थाना धनगांव क्षेत्र की है लेकिन युवक की गुमशुदगी पहले से खरगोन के भीकनगांव थाने में भी दर्ज थी। वह भीकनगांव थाना क्षेत्र के गांव सिराली का ही निवासी था। धनगांव टीआई विजय वर्मा के अनुसार, इस केस में कार्रवाई भीकनगांव पुलिस करेगी। घटनास्थल पर खरगोन जिले की एफएसएल टीम भी पहुंची। शव को बरामद कर भीकनगांव ले जाया गया। भीकनगांव टीआई मीणा कर्णावत ने बताया कि पोस्टमार्टम भीकनगांव में हुआ।

उज्जैन में मां ने जहर पीया, बेटे-बेटी को भी दिया,महिला की मौत,बच्चे आईसीयू में

सुसाइड नोट में लिखा-किसी का दोष नहीं

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में महिला ने पानी में जहर मिलाकर पी लिया। अपने 14 साल के बेटे और 6 साल की बेटी को भी पिला दिया। मां ने उल्टी की तो बेटे ने नाना को फोन लगाया। पड़ोस के परिवार को जगाकर जहर पीने की बात बताई। लोग महिला और दोनों बच्चों को अस्पताल लेकर पहुंचे। महिला की मौत हो गई। दोनों भाई-बहन भर्ती हैं। घटना देर रात चिमनगंज मंडी इलाके में रतन एवेन्यू कॉलोनी की है। पुलिस ने बताया कि सीमा त्रिवेदी (37) ने सुसाइड नोट भी छोड़ा है। फिलहाल, हम जांच कर रहे हैं कि इस कदम के पीछे क्या वजह रही?

महिला के पिता बोले- कभी कोई शिकायत नहीं की

सीमा के पिता बालू सिंह ने बताया कि हम धुलेटिया में रहते हैं। 15 दिन दोनों बेटियां मायके में रहीं। दो दिन पहले ही सीमा अपने घर लौटी थी। रविवार रात 2.40 बजे नाती अक्षत का फोन आया। उसने बताया कि सीमा ने माही और उसे पानी में कुछ मिलाकर पिलाया है। खुद भी पी लिया है। मम्मी की हालत खराब हो रही है। मैंने तुरंत उसे आसपास वालों को जगाने का बोला। इसके बाद तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बालू सिंह ने कहा कि सीमा का पति कमल त्रिवेदी नीमच में दिलीप बिल्डकॉन कंपनी में काम करता है। बेटी ने कभी भी अपने सुसरालवालों की शिकायत नहीं की। उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, नहीं पता?

सीमा ने रात करीब 12 बजे पति से बात की थी

सीमा की शादी 2010 में कमल त्रिवेदी से हुई थी। कमल नीमच में जबकि सीमा अपने दो बच्चों और सास के साथ उज्जैन के रतन एवेन्यू में रह रही थी। घटना के वक्त सास घर में थीं लेकिन सो रही थीं। वे भी बाहर गई थीं, शनिवार को ही लौटी हैं। चिमनगंज थाने की एसआई प्रियंका नायक ने बताया कि सीमा ने रात करीब 12 बजे पति से बात की थी। संभवतः दोनों के बीच कोई विवाद हुआ हो। हम जांच कर रहे हैं। सीमा एक सुसाइड नोट छोड़ गई है। इसमें उसने लिखा है- मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रही हूं। किसी का दोष नहीं है। मेरे ससुराल और मायकेवालों को परेशान न किया जाए।

भिंड के गोहद में बस ने स्कूटी को टक्कर मारी, भाई-बहन की मौके पर ही मौत

भिंड (नप्र)। भिंड के गोहद में एक बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी पर सवार भाई-बहन की मौत हो गई। हादसा शहर से निकलने वाले नेशनल हाइवे नंबर 719 पर हुआ। बस भिंड से ग्वालियर की ओर जा रही थी। हादसे में जान गंवाने वाले भाई-बहन का नाम आकाश (13) और नंदिनी (15) है।

डॉ.श्वेता झा को पी.एच.डी.

भोपाल। डॉ.संदीप झा और श्रीमती सोनी झा की पुत्री एवं पूर्व सांसद व भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा एवं श्रीमती रंजना झा की पुत्रवधू तथा तुष्मुल झा की पत्नी डॉ.श्वेता झा को प्रबंधन में बरकतुल्लाह विवि ने पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की है। उनके शोध का विषय 'मध्यप्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में कार्यबल विविधता और मानव संसाधन चुनौतियों का प्रबंधन' था। उन्होंने अपना शोध कार्य एल.एन.सी.टी. भोपाल एम.बी.ए के प्रोफेसर और निदेशक डॉ. मुकेश चंसोरिया तथा सी.आर.आई.एम. के निदेशक और प्रबंधन बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के डीन संकाय डॉ. विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में पूरा किया। डॉ. श्वेता झा की इस उपलब्धि पर अयत्न झा, श्रीमती शुभ्रा झा, डॉ. तान्या झा, आर्यन झा आदि ने शुभकानमाएं दी है।

जितेंद्र सिंह बोले- अंडर करंट, चौंकाने वाले परिणाम आएंगे

पटवारी ने कहा- मंथन कार्यक्रम चलाएंगे; 25 मई को काउंटिंग एजेंट्स को ट्रेनिंग देगी कांग्रेस

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर मतदान के बाद पहली बार सोमवार को भोपाल में कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों की बैठक हुई। इसमें मतगणना के दिन रखी जाने वाली सावधानियों और काउंटिंग एजेंट्स को प्रशिक्षण देने पर चर्चा हुई। कांग्रेस जिलेवार प्रभारी की नियुक्ति करेगी। वहीं, 25 मई को भोपाल में प्रदेश की 27 लोकसभा सीटों के काउंटिंग एजेंट्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। बैठक के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- कांग्रेस प्रदेश में 5 जून से 15 अगस्त तक मंथन कार्यक्रम चलाएगी। इस कार्यक्रम के तहत आगामी नगर निकाय, पंचायत और अगले विधानसभा चुनाव के हिसाब से तैयारी की जाएगी। वहीं, प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा- अंडर करंट है, चौंकाने वाले परिणाम आएंगे। बैठक में शामिल होने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा- छिंदवाड़ा में बीजेपी ने प्रशासन, पैसे और बेईमानी की कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन जनता गद्दारों को अच्छा सबक सिखाएगी। वहीं, फूल सिंह बरैया ने कहा कि भाजपा ने वोटों की लूट की है। वे ऐसा सोच रहे हैं कि वोटों की धांधली करके जीत जाएंगे। मतगणना को लेकर वो बेइमानी करेंगे तो हम लट्ठ बजाएंगे।

सज्जन बोले-इंदौर में बम को परिणाम भोगने पड़ेंगे: पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा, इंदौर में अक्षय बम को परिणाम भोगना पड़ेंगे। हमारे मालवा में कहावत है कि विष दे दो लेकिन विश्वास मत देना। उन्होंने कांग्रेस का विश्वास तोड़ा है। न्यायपालिका ने संज्ञान लेकर 307 धारा लगाई है। दोनों पिता-पुत्र को गिरफ्तार होना पड़ेगा। छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ बैठक में नहीं पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार नहीं आए। वहीं, राजगढ़ प्रत्याशी दिग्विजय सिंह बिहार की राजधानी पटना के दौरे पर हैं। वे मीटिंग में वर्चुअली जुड़े हैं।

इंदौर में मल्टीनेशनल कंपनी के वर्कर को नींद में साइलेंट अटैक, मौत

पिता बोले- हेल्थ कॉन्शियस था बेटा, लंच में मां पराठे बांधती तो मना कर देता था

उज्जैन (एजेंसी)। इंदौर की एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाले अनिमेश दुबे (25) की नींद में साइलेंट अटैक आने के बाद मौत हो गई। वे 15 मिनट में दो बार अस्पताल गए। एक बार अकेले, दूसरी बार परिजन और दोस्त उन्हें अस्पताल ले गए। अनिमेश (घर का नाम अमितेश) उज्जैन के रहने वाले थे। अनिमेश के पिता शैलेश दुबे संस्कृत महाविद्यालय के ऑफिस में पदस्थ हैं। उनके परिवार में माता-पिता और एक बड़े भाई हैं। अनिमेश पूरी तरह स्वस्थ थे। पहले से किसी तरह की कोई बीमारी भी नहीं थी। वे क्रिकेट खेला करते थे। हेल्थ कॉन्शियस इतने थे कि ऑफिस ले जाने के लिए मां अगर लंच में पराठे बनातीं तो मना कर देते थे। कहते थे कि सब्जी - रोटी बांध दो। पिता का कहना है कि वे सिगरेट, तम्बाकू, पान - गुटखा तक नहीं खाते थे। सात्विक जीवन जीते थे। ऑफिस के लिए सुबह 7.30 बजे उठते। नानाखेड़ा से कार हायर कर

रखी थी। यहां से अपने कलीग्स के साथ इंदौर से अप-डाउन किया करते थे। शनिवार को छुट्टी होने पर अनिमेश घर पर थे। अनिमेश ने इंदौर से एमबीए किया था, इसके बाद वहीं एक मल्टीनेशनल कंपनी में 3 साल से जॉब कर रहे थे। अनिमेश छोटा बेटा था। इंदौर से एमबीए की पढ़ाई की। वहां 3 साल से नौकरी कर रहा था। रोज सुबह इंदौर के लिए 8.30 बजे निकलकर रात को 9.30 बजे तक घर आता था। उसे कोई बीमारी नहीं थी। निधन से एक दिन पहले ही कंपनी के किसी साथी की फेयरवेल पार्टी अटैंड की थी। शनिवार के दिन छुट्टी रहती है, इसलिए हमने उसे जल्दी नहीं जगाया। वह 10 बजे उठा, दो गिलास पानी पीया, चाय पी, फ्रेश होने गया, फिर नीचे आकर चाय पी, इसे बाद नहाने चला गया। उसकी मां खाना बना रही थीं। उन्होंने उससे कहा कि बेटा आज तुम पूजा कर लो, फिर अपन एक साथ खाना खाएंगे। दोपहर 1 बजे का समय होगा। मैं ऑफिस के लिए निकल रहा था। उसने मां को कहा कि मेरे पेट में गैस हो रही है। मैंने उससे कहा कि फैमिली डॉक्टर को जरूर दिखा आना। मेरा मन नहीं माना, मैंने उसे दूसरी बार फिर बोला कि डॉक्टर के पास चले जाना। बोला- पापा, मैं चला जाऊंगा, आप जाओ...। वह अकेले गाड़ी चलाकर हमारे फैमिली डॉक्टर के पास गया। डॉक्टर ने सारी जांच की, पल्स, बीपी... सब नॉर्मल था। वह एसीलॉक इंजेक्शन लगवाकर घर आ गया।

युवक की मौत के पांच दिन बाद परिजन ने किया चक्काजाम

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के थाना बिलखिरिया के तहत युवक की मौत के पांच दिन बाद परिजन ने कान्हासैया में रोड पर चक्काजाम कर दिया। मौके पर पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। दरअसल, पांच दिन पहले एक युवक की सूखी सेवनिया के पास ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। पुलिस ने शव की पहचान न होने पर उसे दफना दिया। सोमवार सुबह परिजनों को जैसे ही ये बात पता चली उन्होंने चक्काजाम कर दिया।